भाद्रपद शुक्ल पक्ष-2, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07 , अंक - 164 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2021-23

भोपाल
29 नवम्बर 2023 बुधवार

आज का मौसम
21 अधिकतम
17 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

मतगणना से पहले *कई तरह* की तैयारियां, कल शाम एग्जिट पोल के बाद बदलेगी तस्वीरें

नए विधायकों की बाड़ाबंदी की बेकरारी, चार्टर्ड प्लेन भी तैयार!

भोपाल/रायपुर, दोपहर मेट्रो

विधानसभा चुनाव के बाद और मतगणना के पहले अब अंतिम दौर का सियासी तैयारियों का काउंटडाउन चल रहा है। मप्र में भाजपा और कांग्रेस तमाम संभावित *विकल्पों* और *तकनीकों* पर काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में डटे हैं और आज भी कुछ नेताओं से उनकी चर्चा है। उधर मप्र कांग्रेस के मुखिया कमलनाथ भोपाल से लंबे समय से बाहर हैं और कल लौट रहे हैं। हालांकि कांग्रेस के भीतर उनके निर्देशों पर कुछ तैयारियों का दौरदौरा है। उधर छत्तीसगढ में तो दोनों दलों ने चार्टर विमान तक जुटा लिये हैं,ताकि जरूरत पड़ने पर विधायकों को 'सुरक्षित' लाया ले जाया सके। दरअसल मप्र में कांग्रेस और भाजपा के अंदरखानों में बहुमत के दावे किये जा रहे हैं। दोनों का विश्वास है कि जनता स्पष्ट जनादेश के साथ सरकार का चुनाव कर रही है।हालांकि सूत्रों की मानें तो दोनों ही दलों की नजर निर्देलीय या अन्य दलों के उम्मीदवारों पर भी है। जबकि छत्तीसगढ में मुकाबला कांटे का नजर आ रहा है। दोनों ही पार्टियां अपने बहुमत का दावा जरूर कर रही हैं, लेकिन उन्हें इस बात का डर भी सता रहा है कि जीत का आंकड़ा अगर बहुमत के आसपास पहुंचकर अटका तो विधायकों को तोड़ने की रणनीति ना अपना ली जाए। खबरों के मुताबिक ऐसे में अपने विधायकों को एकजुट रखने के लिए उन्होंने अभी से तीन चार्टर प्लेन बुक कर रखे हैं। ताकि किसी ऐसी स्थिति के बनने पर वे उन्हें संपर्क से दूर रखने के लिए यहां से तुरंत रवाना कर सकें। छग में कांग्रेस जहां अपने विधायकों को बेंगलुरु भेजने की तैयारी में है, वहीं भाजपा दिल्ली भेजेगी। उसके पहले कांग्रेस और भाजपा दोनों ही पार्टियां सरकार बनाने की रणनीति पर काम करने में जुटी हुई हैं। सूत्रों के अनुसार दोनों ही पार्टियों के हाईकमान की तरफ से निर्देश हैं कि मतगणना के दिन सभी प्रत्याशियों पर कड़ी नजर रखी जाए। माना जा रहा है कि मतगणना के आखिरी चरण में तस्वीर लगभग साफ होने के बाद कांग्रेस व भाजपा के मुख्यालयों से छत्तीसगढ़ के प्रभारियों को आगे की कार्रवाई के निर्देश मिलेंगे। हालांकि चार्टर प्लेन की बुकिंग पर दोनों ही पार्टियों के वरिष्ठ नेता इस संबंध में अधिकृत बयान देने से बच रहे हैं।

कल शाम को बनेगी एक तस्वीर

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों का आखिरी चरण कल 30 नवंबर को है जब तेलंगाना की सभी 119 सीटों पर मतदान होगा। तेलंगाना में मतदान खत्म होने का इंतजार मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और मिजोरम में भी किया जा रहा है।क्योंकि कल तेलंगाना में छह बजे मतदान थमते ही एग्जिट पोल के नतीजे जारी किए जाएंगे। मध्य प्रदेश , छत्तीसगढ़ और राजस्थान के ये एग्जिट पोल एक अंदाजा देंगे कि चुनाव परिणाम कैसे हो सकते हैं? वहीं असली नतीजे मतगणना वाले दिन यानी 3 दिसंबर, रविवार को जारी होंगे। राजनीतिक दल भी इन नतीजों के आधार पर विधायकों की बाडाबंदी के प्लान तैयार कर सकते हैं।

कल दोपहर आखिरी कैबिनेट बैठक

उधर मप्र में कल राज्य मंत्रिपरिषद की आखिरी बैठक बुलाई गई है। इसमें सभी अपर मुख्यसचिव व प्रमुख सचिवों को भी मौजूद रहने के लिये कहा गया है। माना जा रहा है कि यह बैठक निवर्तमान मुख्यसचिव इकबाल सिंह बैंस को विदाई भी देगी। कल ही उनके कार्यकाल का अंतिम दिन है। नये मुख्यसचिव को लेकर अभी तस्वीर साफ नहीं है।संभावना है कि मतगणना तक यानि कुछ दिन बैंस का कार्यकाल बढ सकता है या वीरा राणा, मो सुलेमान, विनोद कुमार में से किसी एक के नाम को चुनाव आयोग मंजूरी दे सकता है।

शेयर बाजार पहली बार चार ट्रिलियन डॉलर के करीब

नई दिल्ली। अडानी ग्रुप के शेयरों में आई तेजी के दम पर भारतीय शेयर बाजार ने बड़ा मुकाम हासिल किया है। बीएसई लिस्टेड शेयरों का मार्केट कैप अपने ऑल-टाइम हाई लेवल 336 लाख करोड़ रुपये यानी 4.02 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गई है। इसके साथ ही भारत दुनिया पांचवां सबसे मूल्यवान मार्केट बन गया है। भारत मई 2021 में तीन ट्रिलियन डॉलर के मुकाम पर पहुंचा था। दुनिया की बात करें तो इस लिस्ट में अमेरिका 48 ट्रिलियन डॉलर के मार्केट कैप के साथ पहले नंबर पर है। चीन (10.7 ट्रिलियन डॉलर) दूसरे, जापान (5.5 ट्रिलियन डॉलर) तीसरे और हॉन्ग कॉन्ग (4.7 ट्रिलियन डॉलर) चौथे नंबर पर है।

सड़कों पर नोट लुटाने वालों पर 4 लाख का चालान

नई दिल्ली। नोएडा की सड़कों पर राहगीर जमकर रुपए लूटते हुए नजर आए वहीं नोट लुटाने वालों पर जमकर चालान हुआ। शुरू में यह लगा कि मानो जैसे आसमान से नोट बरसे हों। लेकिन ये हरकत कुछ रईसजादों ने की थी। शादी समारोह में शामिल होने जा रहे इन युवकों ने सेक्टर-37 की सड़क पर हूटर बजाते हुए अचानक से नोट उड़ाने शुरू कर दिए। इस दौरान राह से गुजर रहे लोग भी बिना देर किए उन नोटों को लूटने में लग गए। कई लोग तो अपने-अपने वाहन रोककर रुपये उठाकर जेबों में भरने लगे। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो नोट उड़ाने रईसजादों को लेने के देने पड़ गए। पुलिस ने उनका 4 लाख रुपये का चालान काटा। कुल 12 गाड़ियों को सीज भी कर दिया गया. जानकारी के मुताबिक, हर एक कार का 33 हजार रुपये का चालान काटा गया है।

मौसम ने बदला रंग, बर्फबारी से और ठंडा होगा मध्यप्रदेश

नई दिल्ली/भोपाल, दोपहर मेट्रो

देश के अधिकांश राज्यों में मौसम का मिजाज बदल चुका है। आज भी मौसम का मिजाज बदला ही रहेगा। हिमाचल,उत्तराखंड से लेकर मप्र तक कई जिलों में हल्की बारिश की संभावना है। पर्वतीय क्षेत्रों के तीन हजार मीटर से अधिक ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी की संभावना है। देहरादून में हल्की बूंदाबांदी ने ठिठुरन बढ़ा दी है। बुधवार को बारिश के बाद तापमान में और गिरावट की संभावना है तो भोपाल में भी नवंबर सबसे सर्द साबित हो रहा है दिन का तापमान ही 19-20 डिग्री के आसपास है तथा धूप गायब है। उधर केदारनाथ, बदरीनाथ, हेमकुंड साहिब सहित पिथौरागढ़ की ऊंची पहाड़ियों में बर्फबारी हुई। जिससे प्रदेशभर में पारा लुढ़क गया और ठिठुरन बढ़ गई। अधिकतम तापमान में दो डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की गई।

मुक्तेश्वर में अधिकतम तापमान में एक डिग्री और न्यूनतम तापमान में दो डिग्री सेल्सियस की

गिरावट दर्ज की गई। इधर भोपाल में बुधवार सुबह से ही फिर कोहरा रहा। सुबह 11 बजे के बाद भी धुंध पूरी तरह से नहीं छंटी। बादल छाए हुए हैं। साल के आखिरी महीने यानी दिसंबर की शुरुआत भी बारिश से हो सकती है। 30 नवंबर को उत्तर भारत में एक और वेस्टर्न डिस्टरबेंस पहुंच रहा है। इसके असर से भोपाल सहित प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश हो सकती है।

सिंघानिया को हर दिन कारोबारी झटके, अंतरिम सीईओ की मांग

मुबंई, एजेंसी।

बिजनेस टायकून गौतम सिंघानिया और उनकी पत्नी नवाज मोदी के बीच तलाक पर तकरार का असर रेमंड कंपनी पर भी लगातार पड़ रहा है। 13 नवंबर के बाद से कंपनी के शेयरों में लगातार गिरावट दर्ज होने से निवेशकों में हडकंप है। पत्नी द्वारा लगाए गए मारपीट के आरोपों के बीच अब इस मामले में गौतम सिंघानिया को दोहरा झटका लगा है, एक प्रॉक्सी एडवाइजर फर्म ने रेमंड के स्वतंत्र निदेशकों से जरूरत पड़ने पर सिंघानिया पर पत्नी द्वारा लगाए गए आरोपों की जांच करने के लिए कहा है। बिजनेस टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, प्रॉक्सी एडवाइजर फर्म इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर एडवाइजरी सर्विसेज ने सिंघानिया व नवाज को जांच के दौरान बोर्ड से दूर रहने के लिए कहा है और एक अंतरिम सीईओ की नियुक्ति का सुझाव दिया है। फर्म ने रेमंड के स्वतंत्र निदेशकों से जरूरत पड़ने पर कंपनी को उसके प्रमोटरों से बचाने का आग्रह किया है। इस मामले के चलते रेमंड पिछले कुछ दिनों में स्टॉक मूल्य में महत्वपूर्ण गिरावट देखकर आईआईएस ने कहा कि आपकी चुप्पी का गलत मतलब निकाला जा सकता है। सिंघानिया के खिलाफ नवाज मोदी के कंपनी फंड को निजी लाभ के लिए इस्तेमाल करने के आरोपों का भी जिक्र करते हुए इसकी जांच का सुझाव दिया है।

घने कोहरे के कारण कार व ट्रक में टक्कर, 5 की मौत

अनूपपुर। मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिले में घने कोहरे के कारण कार और ट्रक के बीच टक्कर में आज तीन लोगों की मौत हो गयी। पुलिस सूत्रों के अनुसार जैतहरी थाना क्षेत्र के लपटा के पास घने कोहरे के कारण सड़क किनारे खड़े ट्रक में एक कार घुस गई। इस घटना में कार में सवार प्रवीण अग्निहोत्री (45) और मोह सलीम (50) की मौके पर मौत हो गई। जबकि कार में सवार मुन्नी बाई राठौर (55) की जिला अस्पताल में मौत हो गई। इस घटना में तीन लोग ग भीर रुप से घायल हुए है, सभी लोगों को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है।

उधर शिवपुरी के पास कोलारस थाना क्षेत्र में ग्वालियर-देवास फोरलेन राष्ट्रीय राजमार्ग पर कल देर रात अज्ञात वाहन की टक्कर से दो युवक रिंकू कुशवाहा और रवि की मौत हो गयी। बताया गया कि दोनों यह युवक मोटरसाइकिल से कोलारस आए थे, वापस लौटते समय किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी।

23 साल में पप्पू पास, सिक्योरिटी गार्ड को डिग्री

जबलपुर। पूरे 23 साल की कोशिशों के बाद यदि कोई अपना सपना पूरा करता है तो उसकी खुशी की कल्पना की जा सकती है। यह काम जबलपुर में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करने वाले 56 साल के राजकरन ने किया है। वह गणित में मास्टर्स की डिग्री हासिल करना चाहता था और इसके लिए उन्होंने करीब आधा जीवन ही सपने के साथ जीने में बिता दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वे 23 बार असफल हुए। एक सुरक्षा गार्ड के रूप में डबल शिफ्ट काम किया, पैसे जुटाते रहे। अब उनके पास एमएससी परीक्षा पास की डिग्री है। उनके पास न तो घर है न परिवार, सेविंग या स्थिर नौकरी भी नहीं है। राजकरन का कहना है कि वह जहां नौकरी कर रहा था वो मेरा उदाहरण देकर अपने बच्चों को ताना मारते थे। शादी के सवाल पर राजकरन कहते हैं- मुझसे शादी कौन करेगा? मेरी शादी मेरे सपने से हुई थी!

मेट्रो एंकर | प्रधानमंत्री मोदी ने की बाहर आए मजदूरों से बात

सुरंग में 17 दिन टीम भावना ने दिया जीवन

बेंगलुरु, एजेंसी।

उत्तराखंड की सिल्क्यारा सुरंग में 17 दिन फंसे रहने के बाद बाहर आए 41 मजदूरों की कहानी रोमांचित करने वाली है। उन्होंने सुरंग के भीतर ढाई किमी के गलियारे को अपना 'घर' बनाया और हौसला बनाए रखा,जिसका नतीजा है कि सभी को सुरक्षित निकाल लिया गया। आज इन सभी सुरक्षित निकले श्रमिकों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फोन पर बात की। मोदी ने फोन पर जब नाम पूछा तो युवा इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड के सबा अहमद से बात हुई। मोदी ने अहमद से कहा कि 'मैंने अपना टेलीफोन स्पीकर पर रखा है, ताकि मेरे साथ जो लोग बैठे हैं, वे भी आपकी बातें सुनें लेकिन इससे पहले मैं आपके सभी साथियों को बधाई देता हूं कि इतने संकट के बाद भी निकाल पाए। ये मेरे लिए बहुत खुशी की बात है। मैं इसका शब्दों में वर्णन नहीं कर सकता हूं। ये केदारनाथ बाबा और बद्रीनाथ भगवान की कृपा रही कि आप लोग सब सकुशल आए हैं।' मोदी ने कहा कि 16-17 दिन का समय कम नहीं होता, आप लोगों ने बहुत बड़ी हिम्मत दिखाई। एक-दूसरे का हौसला बनाए रखा। ये सबसे बड़ी बात है। मोदी ने कहा कि हमें जानकारियां रहती थीं, लेकिन चिंता तो कम होती नहीं है। जानकारियों से समाधान तो होता नहीं है। मोदी ने कहा कि जितने भी श्रमिक निकलकर आए हैं, उन सबके परिवार का पुण्य भी काम आया है। उल्लेखनीय है कि सुरंग 12 नवंबर को धंसने से 41 मजदूर फंस गए थे। इन्हें सुरक्षित बाहर निकालने का अभियान बार-बार नाकाम हो रहा था। रेस्क्यू के लिए अमेरिका की ऑगर मशीन का इस्तेमाल किया गया, लेकिन इसके टूट जाने के बाद रैट माइनर्स ने बचे हुए मलबे को खोदकर बाहर निकाला।

साथ खाना और योगा व टहलना

पीएम से मुखातिब सबा अहमद ने कहा कि हम लोग इतने दिनों तक टनल में फंसे रहे, लेकिन हम लोगों को एक दिन भी ऐसा कुछ भी एहसास नहीं हुआ कि हम लोगों को कुछ ऐसी कमजोरी हो रही है या कोई घबराहट हो रही है। टनल के अंदर हमें ऐसा कुछ नहीं हुआ। वहां 41 लोग थे, और सब भाई की तरह रहते थे। किसी को भी कुछ हो तो हम लोग एक साथ थे। किसी को कोई दिक्कत नहीं होने दी। अहमद ने कहा कि खाना आता था तो हम लोग मिलजुल के एक जगह बैठ के खाते थे। रात में खाना खाने के बाद सभी को बोलते थे कि चलो एक बार टहलते हैं। टनल का लेन ढाई किलोमीटर का था, उसमें हम लोग टहलते थे. इसके बाद मॉर्निंग के समय हम सभी से कहते थे कि वॉक और योगा करें. इसके बाद सभी हम वहां योगा करते थे।

सबक से उठेंगे सवालः मजदूरों के टनल में फंसने के बाद पैने और धारदार सवालों की कोई कम बौछार नहीं हो रही थी, माना जा रहा है कि यदि अनहोनी होती तो केंद्र और राज्य सरकार के सामने सड़क से अदालत तक न जाने की कितनी ही चुनौतियां खड़ी हो सकती थीं। शायद अब इसके आसार कम होंगे, लेकिन पूरा घटनाक्रम प्राकृतिक आपदाओं के लिहाज से संवेदनशील उत्तराखंड को कई सबक सिखा गया है। हादसे के बाद उत्तराखंड ही नहीं, देशभर में सुरंग निर्माण के नीति-नियोजन को सुरक्षा के लिहाज से बिल्कुल अलग ढंग से देखा जाना तय है। खुद केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी का कहना है कि देशभर में पौने तीन लाख करोड़ की राशि सुरंगों के निर्माण पर खर्च होनी है।

बेटे के इंतजार में पिता ने दम तोड़ा

बीती शाम जिन मजदूरों को पाइप के जरिए सुरक्षित बाहर निकाला गया उनमें पूर्वी सिंहभूम जिले के डुमरिया प्रखंड के भी छह मजदूर शामिल हैं। बांकीशील पंचायत स्थित बाहदा गांव निवासी 29 वर्षीय भक्तू मुर्मू भी इनमें से एक है। उसके सुरक्षित बाहर निकलने का इंतजार कर रहे 70 वर्षीय पिता बासेत उर्फ बारसा मुर्मू की मंगलवार को ही सदमे में मौत हो गई। 17 दिन बाद टनल से बाहर आने पर भक्तू मुर्मू को जब अपने पिता के निधन की सूचना मिली, तो वो फूट-फूट कर रो पड़ा।

रेलवे ने फिर निरस्त की थोकबंद ट्रेनें, यात्रियों की परेशानी जारी

पिछले छह महीने से लगातार ट्रेनें निरस्त कर रहा रेलवे

दावा– पटरी जोड़ने और ट्रैक के मेंटेनेंस करने का

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

रेल यात्रियों की परेशानी कमी होने का नाम ही नहीं ले रहे है। यह ट्रेनों को निरस्त किए जाने के कारण कंफर्म टिकट कैंसिल होने व दूसरी ट्रेनों में टिकट नहीं मिलने की है। इन यात्रियों का कहना है कि रेलवे पिछले छह महीने से लगातार ट्रेनों को निरस्त कर रहा है तो रेलवे के अधिकारियों का कहना है कि नई पटरियों को पुरानी से जोड़ने और ट्रैक के मेंटेनेंस के लिए ट्रेनों को निरस्त करना ही एक मात्र विकल्प है।

अब रेलवे ने प्रयागराज जंक्शन स्टेशन पर उन्नयन कार्य करने के चलते कई ट्रेनें निरस्त की हैं तो कुछ के मार्ग में बदलाव कर दिया है।

- ट्रेन 11273 इटारसी-प्रयागराज छिवकी एक्सप्रेस 31 दिसंबर तक प्रयागराज छिवकी स्टेशन के बजाए नैनी स्टेशन पर समय सुबह 09.55 बजे शॉर्ट टर्मिनेट होगी।
- ट्रेन 11274 प्रयागराज छिवकी-इटारसी एक्सप्रेस 1 जनवरी तक प्रयागराज छिवकी स्टेशन के बजाए नैनी स्टेशन से चलेगी।
- कोहरे के कारण ट्रेन 22456/22455 कालका-साई नगर शिर्डी-कालका एक्सप्रेस को निरस्त किया है। ट्रेन 22456 कालका-साईं नगर शिर्डी द्विसाप्ताहिक एक्सप्रेस 03 दिसंबर से 29 फरवरी तक अपने प्रारंभिक स्टेशन से निरस्त रहेगी।
- ट्रेन 22455 साईं नगर शिर्डी-कालका द्विसाप्ताहिक एक्सप्रेस 5 दिसंबर से 2 मार्च तक अपने प्रारंभिक स्टेशन से निरस्त रहेगी।
- पटरी जोड़ने के काम के चलते जोधपुर से भोपाल के बीच चलने वाली कुछ ट्रेनों के भी निरस्त करने का निर्णय लिया है।
- ट्रेन 14813 जोधपुर-भोपाल एक्सप्रेस 09 दिसंबर से 27 दिसंबर तक व ट्रेन 14814 भोपाल-जोधपुर एक्सप्रेस 10 से 28 दिसंबर तक प्रारंभिक स्टेशन से निरस्त रहेगी।
- ट्रेन 19711 जयपुर-भोपाल एक्सप्रेस 27 दिसंबर को व ट्रेन 19712 भोपाल-जयपुर एक्सप्रेस 28 दिसंबर को एक-एक दिन अपने पहले स्टेशन से निरस्त रहेगी।
- ट्रेन 12181 जबलपुर -अजमेर दयोदय एक्सप्रेस 23 से 26 दिसंबर तक (4 ट्रिप) जबलपुर-कोटा के मध्य चलेगी तथा कोटा-अजमेर के मध्य आंशिक निरस्त रहेगी। ट्रेन 12182 अजमेर-जबलपुर दयोदय एक्सप्रेस 24 से 27 दिसंबर तक कोटा-जबलपुर के मध्य चलेगी तथा अजमेर-कोटा के मध्य आंशिक निरस्त रहेगी।

मौसम में घुली ठंडक...

राजधानी में मावठा गिरने से हवा में ठंडक घुल गई जिसके कारण पारा गिरकर 16 डिग्री के आसपास आ गया है।

कलेक्टर ने जारी किए आदेश, अधिकतर स्कूलों में पालन भी शुरू हुआ

नर्सरी से पांचवी तक की कक्षाओं का समय बदला

अब सुबह 9 बजे बाद ही लगेंगी

कुछ स्कूल ऐसे भी जहां बच्चों को लेने के लिए स्कूली वाहन सुबह 8 बजे के पहले पहुंचे

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश में बदलते मौसम को देखते हुए जिला प्रशासन ने स्कूलों के समय में बदलाव किया है। जिसके अनुसार, सभी स्कूल में आगामी आदेश तक नर्सरी से पांचवी तक की कक्षाएं अब सुबह 9 बजे के पहले संचालित नहीं होंगी। इसको लेकर कलेक्टर आशीष सिंह ने मंगलवार को आदेश जारी कर दिए हैं। जिसके बाद बुधवार से इस आदेश का असर भी नजर आया। राजधानी के अधिकतर स्कूलों ने इसका पालन भी शुरू कर दिया है। हालांकि कुछ स्कूल ऐसे भी हैं जहां बच्चों को लेकर के लिए स्कूली वाहन सुबह 8 बजे के पहले ही पहुंच गए थे। वहीं कई अभिभावक स्वयं ही अपने बच्चों को लेकर स्कूल पहुंचे।

बदलते मौसम का असर

आदेश में कहा गया है कि शीतकालीन मौसम प्रारंभ होने तथा तापमान में गिरावट और विद्यार्थियों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा को ध्यान रखते हुए नर्सरी से कक्षा - 5वीं तक सभी शासकीय, अशासकीय, सीबीएसई, आईसीएसई आदि सभी प्रकार की शैक्षणिक संस्थाएं सुबह 9 बजे से पहले संचालित नहीं होगी। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

4 से 8वीं तक की अर्द्धवार्षिक परीक्षा का समय बदला, अब 20 दिसंबर से होंगी

भोपाल। राज्य शिक्षा केंद्र (आरएसके) द्वारा प्रदेश के सरकारी स्कूलों में होने वाली चैथी से आठवीं तक की कक्षाओं की अर्द्धवार्षिक परीक्षाओं के कार्यक्रम में बदलाव किया गया है। जिसके अनुसार, अब यह परीक्षाएं 20 दिसंबर से 28 दिसंबर तक आयोजित की जाएंगी। सभी कक्षाओं का पहला पेपर हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, मराठी का रहेगा। इस संबंध में राज्य शिक्षा केंद्र संचालक धनराजू एस ने संशोधित समय-सारणी के साथ आदेश जारी कर दिए हैं। यह आदेश अर्द्धवार्षिक मूल्यांकन सत्र 2023-24 के लिए जारी किए गए हैं।

उम्मीदवारों से विजय का जश्न न मनाने की अपील

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राष्ट्रीय सेक्युलर मंच ने भोपाल गैस त्रासदी दिवस 3 दिसंबर को शोक और दुख का दिन होने के कारण मतगणना के बाद किसी भी तरह का जश्न या विजय जुलूस नहीं निकलने की अपील सभी राजनीतिक दलों से की है। मंच के संयोजक लज्जाशंकर हरदेनिया और शैलेन्द्र शैली ने कहा कि इसी दिन विधान सभा चुनाव की मतगणना होगी तथा शाम तक चुनाव परिणाम घोषित होंगे । यह दिन भोपाल की जनता के लिए दुख और शोक का दिन भी है । भोपाल के गैस पीड़ति अभी भी न्याय और मुआवजे की लंबी लड़ाई लड़ रहे हैं। विगत तीन दशक से भोपाल में 3 दिसंबर के दिन शोक का दिवस मनाया जा रहा है। इस दिन किसी भी तरह की विजय का जश्न मनाया जाना अनुचित होगा। इसलिये उम्मीदवार विजय का जश्न नहीं मनाएं और भोपाल के गैस पीड़ितों के संघर्ष तथा आंदोलन में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें।

आयुर्वेदिक संस्थान में पंचकर्म से पहले होगा सीटी स्कैन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी स्थित पं. खुशीलाल शर्मा शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय एवं संस्थान अब मरीजों को बेहतर उपचार देने के लिए नया प्रयोग शुरू कर रहा है। यहां इलाज के लिए आयुर्वेद के साथ एलोपैथी तकनीक का इस्तेमाल भी किया जाएगा। इसके लिए यहां विकसित नए पंचकर्म सेंटर में मरीजों के इलाज के पहले सीटी स्कैन किया जाएगा। इसकी रिपोर्ट के आधार पर पंचकर्म शुरू होगा। इसका लाभ सबसे ज्यादा गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को होगा। संभवतः यह प्रदेश का पहला अस्पताल होगा, जहां इस तरह की सुविधा शुरू होगी। एक माह में सीटी स्कैन मशीन महाविद्यालय पहुंच जाएगी। बता दें करीब 10 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस सेंटर में देश के साथ विदेशों से भी मरीज आ रहे हैं। मरीजों को इस सेंटर में पांच सितारा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। जानकारी के अनुसार पंचकर्म से पहले मरीजों की जांच की जाती है।

इज्तिमा की तैयारियां शुरु, 8 दिसंबर से होगा शुरू 11 को समापन होगा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कोविड काल में दो साल स्थगित रहे इज्तिमा आयोजन के बाद पिछले साल भी इसमें शामिल होने वालों की संख्या को सीमित रखा गया था। जिसके बाद इस साल यह विश्वस्तरीय मजहबी समागम अपने पूरे मजमे के साथ आयोजित किया जाएगा। आलमी तब्लीगी इज्तिमा को लेकर ईटखेडी के घासीपुरा स्थित इज्तिमागाह पर तैयारियों का दौर जारी है और अधिकांश कामों को पूरा कर लिया गया है। जबकि कई नीतिगत निर्णय अभी लिए जाना बाकी हैं। इनमें सामूहिक निकाह पर फैसला होना बाकी है। आमतौर पर नवंबर माह में आयोजित होने वाले आलमी तब्लीगी इज्तिमा आयोजन को इस बार विधानसभा चुनावों के चलते एक माह आगे बढ़ा दिया गया है। यह आयोजन अब आठ दिसंबर से शुरू होगा और 11 दिसंबर को सामूहिक दुआ के साथ इसका समापन होगा। आलमी तब्लीगी इज्तिमा में इस बार दुनियाभर की जमातों की आमद होगी। जिसमें अफगानिस्तान, कजाकिस्तान, मलेशिया, इंडोनेशिया, जकार्ता, बंगलादेश, अमेरिका, रूस आदि देशों की जमातें शामिल होंगी।

पाकिस्तान को इस बार भी बुलावा नहीं

इस बार भी पाकिस्तान की जमातों को नहीं बुलाया गया है। हिंदुस्तान के सभी प्रदेशों के जमाती भी यहां पहुंचेंगे। तीन दिन चलने वाली मजहबी तकरीरों के दौर के बीच उलेमा लोगों को दुनिया में रखे जाने वाले अपने किरदार और अपने अल्लाह के लिए वफादारी की बातें सिखाएंगे। आमतौर पर उलेमाओं की तकरीरों में इस्लाम के छह मुख्य बिंदुओं पर केन्द्रित बात ही की जाती है। जिसको लेकर यह भी कहा जाता है कि यहां सिर्फ जमीन से नीचे और आसमान के ऊपर की बात की जाती है, जबकि दुनियावी बातों का जिक्र इस मजमे में नहीं किया जाता।

तैयारियां जोरों पर:

ईटखेडी स्थित इज्तिमागाह पर आयोजन की तैयारियों का दौर तेज है। पिछले कई दिनों से यहां वालेंटियर्स पहुंचकर जमीन समतलीकरण, पांडाल लगाने, वुजूखाने और बाथरूम के लिए पाइप लाइन बिछाने, बिजली के खंभे खड़े करने आदि के कामों को पूरा करने में जुटे हैं। इज्तिमा प्रबंधन कमेटी का कहना है कि अब तक करीब 70 फीसदी से ज्यादा काम निपट चुका है, जबकि नगर निगम, पीडब्ल्युडी, विद्युत मंडल आदि सरकारी विभागों से जुड़े कुछ काम बाकी हैं, जिनमें अब तेजी आने की उम्मीद की जा रही है।

मेट्रो एंकर | शदाणी दरबार के संत गोविन्दराम जी जन्मोत्सव आज भोपाल में

सीएम सहित तमाम हस्तियों को किया आमंत्रित

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता का प्रतीक रायपुर स्थित शदाणी दरबार तीर्थ के आठवें गुरु संत गोविंदराम जी का 79वाँ जन्मोत्सव 29 नवम्बर को राजधानी भोपाल के संत शदाराम मंदिर सीनागिरी में बड़े धूमधाम हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा मनाया जाएगा।

शदाणी दरबार के नवम् ज्योत संत श्री युधिष्ठिर लाल जी के सानिध्य में मनाया जा रहा है। इस जन्मोत्सव की जानकारी देते हूए शदाणी सेवा मंडल के सदस्यों ने बताया कि बुधवार 29 नवम्बर को प्रातः 9 बजे रानी कमलापति स्टेशन पर संत श्री युधिष्ठिर लाल के आगमन पर स्वातन धर्म यात्रा का आयोजन किया गया है , जिसमें संत श्री युधिष्ठिर लाल द्वारा हरी झंडी दिखाकर इस यात्रा को रवाना किया जायेगा, इस यात्रा में घोड़ा, बग्गी, रथ व चलित झांकी आकर्षण का केन्द्र रहेगी, यह यात्रा भेल के अनेक मार्ग होते हुये शदाणी तीर्थ दरबार सोनागिरी पहुँचेगी, करीब 7 किलो मीटर लंबी यात्रा में दर्शन लाभ लेने के लिए हजारों की संख्या में श्रद्धालु इस सनातन धर्म यात्रा में शामिल होंगे। उसके बाद दोपहर 2 बजे महायज्ञ हवन एवं उसके बाद शाम 5 बजे कलश यात्रा का आयोजन किया गया है जिसमें सैकडो की संख्या में महिलाएँ एक ही वेषभूषा धारण व सर पर कलश रख कर सोनगिरी का भ्रमण कर शदाणी मंदिर पहुँचेगी, उसके बाद शाम 7 बजे भजन कीर्तन, सत्संग व सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम मचेगी। शदाणी दरबार तीर्थ के आठवें गुरु संत गोविंदराम जी में इस जन्मोत्सव कार्यक्रम में शामिल होने के लिये प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं गह मंत्री नरोत्तम मिश्रा जी को भी विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है।

भारत विकास परिषद का दिवाली मिलन संपन्न

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

भारत विकास परिषद संतराम शाखा का दीपावली मिलन कार्यक्रम के टी शाहानी स्कूल में संपन्न हुआ। इस अवसर पर परिवार पिकनिक आयोजित करने का भी निर्णय लिया गया जो दिनांक 23 दिसंबर को शारदा विहार में होगा।

दिवाली मिलन समारोह के दौरान यह चर्चा की गई की अयोध्या में भगवान श्री राम का भव्य मंदिर बन रहा है जिसकी प्राण प्रतिष्ठा दिनांक 22 जनवरी को होगी। उस दिन सभी सदस्य अपने-अपने घरों में दीपक जलाएंगे, रोशनी करेंगे, पटाखे फोड़ेंगे और अपने आसपास वालों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे। पूरा देश फिर से दीपावली मनाएगा। संत नगर के सभी सदस्य शाम 7 बजे चार-चार दीपक लेकर कुटिया पर पहुंचेंगे और वहां पर बहुत सुंदर तरीके से दीप जगमगाएंगे। इस बैठक में मुख्य रूप से परिषद कविता इसरानी सचिन दिनेश वाधवानी महिला प्रमुख डॉक्टर निशा सक्सेना सह प्रमुख सुश्री कीर्ति तोलानी कोषाध्यक्ष हरीश मूलानी सांस्कृतिक प्रमुख गुलाब जेठानी श्याम उदासी प्रचार प्रमुख राजेश बेलानी किशन उदासी वरिष्ठ सदस्य वी एन मोतियानी ए सी साधवानी मोहन मनवानी सुंदर किशनानी सेवा प्रमुख राकेश हरपलानी अजय सक्सेना तुलसीदास तोलानी रवि केसवानी आदि उपस्थित थे।

भोपाल सहित प्रदेशभर के 80 हजार विद्यार्थी शामिल होंगे

'रूक जाना नहीं' परीक्षा 12वीं की 13, दसवीं की 15 दिसंबर से शुरू होगी

भोपाल, दोपहर मेट्रो। मप्र राज्य ओपन स्कूल शिक्षा बोर्ड की 10वीं और 12वीं (परंपरागत), रुक जाना नहीं, मदरसा और आ लौट चलें योजना के तहत आयोजित परीक्षाएं दिसंबर में आयोजित की जा रही है। बोर्ड ने परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिए हैं। जिसके अनुसार, 12वीं की 13 दिसंबर और कक्षा 10वीं की 15 दिसंबर से परीक्षा शुरू होगी। इस परीक्षा में इस बार करीब 80 हजार विद्यार्थी शामिल हो रहे हैं। परीक्षा के लिए केंद्रों का निर्धारण भी कर दिया है। परीक्षा केंद्रों की विस्तृत सूची राज्य ओपन ने वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है।

10वीं की 30 और 12 की 29 दिसंबर तक परीक्षा

10वीं की परीक्षा 15 दिसंबर से शुरू होगी और 30 दिसंबर तक चलेगी। वहीं 12वीं की परीक्षा 13 से 29 दिसंबर तक चलेगी। परीक्षा शुरू होने के 10 मिनट पहले उत्तर पुस्तिका और पांच मिनट पहले पेपर दिए जाएंगे। 10वीं की परीक्षा दोपहर दो से शाम पांच बजे तक होगी, वहीं 12वीं की परीक्षा सुबह नौ बजे से दोपहर 12 बजे तक होगी।

फाइल फोटो

'आ लौट चलें' में 3999 परीक्षार्थी शामिल

रूक जाना नही परीक्षा में कक्षा 10 एवं 12 में करीब 72686, ओपन स्कूल (परम्परागत) परीक्षा कक्षा 10 एवं 12 में 6699, मदरसा बोर्ड कक्षा 10 एवं 12 में 692, वहीं आ लौट चलें कक्षा 10 एवं 12 में 3999, परीक्षार्थी शामिल होंगे।

जून 2023 माह में पहला अवसर मिला था अब दिसम्बर में मिलेगा अंतिम मौका

उल्लेखनीय है कि माध्यमिक शिक्षा मंडल की कक्षा 10वीं एवं कक्षा 12वीं एवं ओपन स्कूल की कक्षा 10 एवं 12 की परीक्षाओं में अनुत्तीर्ण हुए परीक्षार्थियों के लिए विगत जून 2023 माह में परीक्षाएं आयोजित कर प्रथम अवसर दिया गया था। प्रथम अवसर में अनुत्तीर्ण रहे परीक्षार्थियों के लिए दिसम्बर 2023 में एक और अंतिम अवसर उपलब्ध है।

इधर, बोर्ड पैटर्न पर अर्द्धवार्षिक परीक्षा की तैयारियां तेज

बोर्ड पैटर्न पर 6 दिसंबर से प्रदेश के सरकारी स्कूलों में आयोजित होने वाली कक्षा 9 से 12वीं तक की अर्द्धवार्षिक परीक्षाओं को लेकर तैयारियां शुरू कर दी हैं। इन परीक्षाओं के लिए लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) स्तर पर पेपर तैयार किए जा रहे हैं।

पेपर माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) द्वारा जारी अंक योजना के आधार पर तैयार किए जाएंगे। जिलों में दो प्राचार्य की समिति बनाकर आवश्यकतानुसार शेष प्रश्न पत्रों के माध्यमवार दो-दो सेट योग्य शिक्षकों से तैयार करवाएंगे। एक कक्षा के आधे विद्यार्थियों को ए और आधे को बी सेट प्रदान किया जाएगा। इसी के साथ जिला स्तर पर नए व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के प्रश्नपत्रों का निर्माण भी किया जाएगा।

दो सेट ए और बी डीईओ स्कूलों को भेजेंगे: डीपीआई द्वारा हिंदी व अंग्रेजी में दो सेट ए और बी विर्मश पोर्टल पर एक दिसंबर को अपलोड किए जाएंगे। डीईओ इन्हें स्कूलों में प्राचार्यों के लॉगिन आईडी पर भेजेंगे। जिन्हें प्राचार्य फोटोकॉपी करवाकर परीक्षा के दौरान बाटेंगे।

कर्मचारी संगठन के प्रमुख तैयार कर रहे वर्षों पुरानी मांगों का ब्यौवरा

नई सरकार के सामने होंगे पदोन्नति, अनुकंपा नियुक्ति और वेतन विसंगति दूर करने के मामले

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश में भाजपा या कांग्रेस, जिस भी पार्टी की सरकार बने, उसके सामने चुनौतियों का पहाड़ होगा। हर क्षेत्र को नई सरकार से उम्मीदें बहुत है। यही वजह है कि प्रत्येक क्षेत्र नई सरकार से संवाद करने के लिए अपने-अपने स्तर पर तैयारियां हो रही है।

यदि कर्मचारी जगत की बात करें तो कर्मचारी संगठनों के प्रमुखों ने भी लिस्टिंग शुरू कर दी है। ये अलग-अलग संवर्ग के कर्मचारियों से जुड़ी समस्याओं और उनकी मांगों की लिस्ट बना रहे हैं। कई कर्मचारी संगठन तो अपनी-अपनी वर्किंग कमेटियों को नए सिरे से गठित करने की कवायद भी करने लगे हैं।

असल में कर्मचारी वर्ग बीते कई वर्षों से कहते रहे हैं कि उनकी कई मांगों को सरकारों ने अनदेखा किया है। जिसमें प्रमुख मांगे पदोन्नति नहीं देना, बिना पदोन्नति के अधिकारी कर्मचारियों का रिटायर्ड होना, दैवेभो व स्थाई कर्मियों के परिजनों को अनुकंपा नियुक्ति नहीं देना, उनका वेतन रिवाइज ठीक से नहीं करना, उन्हें नियमित कर्मचारी का दर्जा नहीं देना, संविदा कर्मियों को एकमुश्त नियमित नहीं करना, उनके लिए अलग-अलग शर्ते लगाना, संविदा पर रखे गए इंजीनियरों की अनदेखी करना, बिजली आउटसोर्स कर्मचारियों का शोषण करना आदि है। यही नहीं, प्रदेश के जिन अध्यापकों को शिक्षक संवर्ग में शामिल किया है उनमें से हजारों शिक्षक आज भी नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता की मांग कर रहे हैं। इसके लिए ये कई बार आंदोलन कर चुके हैं, जेल जाने तक की नौबत बन चुकी है। इन सभी संवर्ग के कर्मचारियों को नई सरकार से उम्मीदें हैं और उस अनुरूप ये तैयारी भी कर रहे हैं।

पुरानी पेंशन प्रमुख मुद्दा

मप्र में कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन बड़ा मुद्दा बन गया है। इसमें केंद्र व राज्य के कर्मचारी एक होकर लड़ाई लड़ रहे हैं। आने वाले समय में केंद्र सरकार के लिए मुसीबत खड़ी होना तय है क्योंकि यह लड़ाई अकेले मप्र के कर्मचारी नहीं लड़ रहे हैं, बल्कि इस लड़ाई में अलग-अलग राज्यों के कर्मचारी भी शामिल हो चुके हैं। योजनाबद्ध तरीके से कर्मचारी इस बात पर अड़े हैं कि अगले लोकसभा चुनाव के पहले किसी तरह पुरानी पेंशन बहाली की मांग पर केंद्र व राज्य की सरकारों को सहमत किया जाए।

बीयू की सेमेस्टर परीक्षा 11 दिसंबर से

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

चुनाव के चलते इस बार बरकतउल्ला विश्वविद्यालय (बीयू) की कई परीक्षाएं प्रभावित हुई हैं। यूजी-पीजी के विभिन्न पाठ्ययक्रमों की पीजी तीसरा, पांचवां और सातवां सेमेस्टर की रेगुलर और एटीकेटी की परीक्षाएं 11 दिसंबर से शुरू होने की संभावना है। परीक्षाएं समय पर कराने के लिए विवि में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया था। कुलपति कार्यालय में हुई इस बैठक के बाद विभिन्न विषयों के टाइम टेबल शेड्यूल भी बना लिए गया है। इसके अनुसार आगे की कार्यवाही सुनिश्चित कर टाइम टेबल को फायनल कर जारी कर दिया जाएगा।

बालाघाट में डाक मतपत्रों का समयपूर्व छंटाई का मामला

कलेक्टर ने मानी गलती, कांग्रेस ने दबाव बढ़ाया

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बालाघाट में डाक मतपत्रों की छंटनी समय से पहले करने के विवाद में अब कलेक्टर ने प्रक्रियात्मक गलती मानने के बाद कांग्रेस और हमलावार है। उसके नेताओं ने कल दिल्ली में केंद्रीय निर्वाचन आयोग से मिलकर शिकायत रखी। वहीं मप्र में भी पार्टी नेता कलेक्टरो को हटाने की मांग कर रहे हैं। कलेक्टर गिरीश मिश्रा ने कहा है कि जिले में डाक मत पत्रों की गिनती नहीं हुई। तीन बजे स्ट्रांग रूम खोला जाना था लेकिन उसे दोपहर डेढ़ बजे ही खोल दिया गया और राजनीतिक दल व अभ्यर्थियों को पत्र भेजने के स्थान पर फोन से सूचना दी गई। इसके लिए डाक मत पत्रों के नोडल अधिकारी तहसीलदार लालबर्रा को निलंबित कर दिया है। कलेक्टर ने कहा है कि उनकी जानकारी के बिना स्ट्रांग रूम खोला गया। हालांकि, वहां अभ्यर्थियों के अधिकृत प्रतिनिधि और राजनीतिक दल के लोग उपस्थित थे।

उधर, इस मामले को लेकर कांग्रेस और भाजपा के नेताओं ने एक-दूसरे पर भ्रम फैलाने के आरोप लगाए। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने बताया कि पूरे घटनाक्रम की रिपोर्ट चुनाव आयोग को भेज दी गई है। डाक मत पत्रों की न तो गणना हुई है और न ही उन्हें खोला गया है। प्रक्रिया का पालन नहीं हुआ, जिसके लिए कार्रवाई की गई है। जब स्ट्रांग रूम को सील किया गया, तब राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि वहां उपस्थित थे। सूत्रों का कहना है कि इस बार डाक मत पत्र से मतदान की व्यवस्था में परिवर्तन हुआ है। कर्मचारियों से प्रशिक्षण स्थल पर बनाए सुविधा केंद्रों पर ही मतदान कराया गया है। यह कार्य मतदान के पूर्व सभी जिलों में हुआ।

कांग्रेस के भूतपूर्व सैनिक विभाग के प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

भोपाल, दोपहर मेट्रो। प्रदेश कांग्रेस के भूतपूर्व सैनिक विभाग के प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर भोपाल से मुलाकात कर मुख्यमंत्री के नाम संबोधित एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में भूतपूर्व सैनिक विभाग के अध्यक्ष मेजर जनरल श्याम श्रीवास्वत ने कहा कि शहडोल जिले के ब्यौहारी में बीतों दिनों रेत माफियाओं द्वारा रेत के अवैध खनन को रोकने गये पटवारी प्रसन्न सिंह बघेल की टेक्टर से कुचलकर निमर्मता से हत्या से सैनिकों सहित वर्दीधारी समस्त फौजियों में आक्रोश है। ज्ञापन में कहा गया है कि राज्य सरकार सरहदों पर वतन की हिफाजत करने वालों की जान-माल की रक्षा नहीं कर पा रही है। पूर्ण कर्तव्यनिष्ठा के साथ बिना किसी पुलिस बल के अपनी ड्यूटी करने वाले जांबाज और बहादुर साथी प्रसन्न सिंह बघेल अपनी कर्तव्य परायणता के साथ सेवाएं देते हुए रेत माफियों के हाथों मारे गये। पूर्व सैनिक विभाग ने राज्य सरकार से मांग की है स्पेशल टीम गठित कर इस हत्याकाण्ड की जांच हो, विशेष कोर्ट गठित कर 3 माह में मामले की सुनवाई कराई जाए।

पांचवें सेमेस्टर की परीक्षाएं शुरू

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

आरजीपीवी यूटीडी के पांचवें सेमेस्टर की परीक्षाएं आज से शुरू हो गई हैं। यह परीक्षा 20 दिसंबर तक चलेंगी। वहीं चौथे सेमेस्टर की परीक्षाएं एक दिसंबर से शुरू होंगी, जो 28 दिसंबर तक चलेंगी। इसी तरह छठवें सेमेस्टर

की परीक्षाएं 21 से शुरू हो रही है। परीक्षा का समय सुबह 11 से दोपहर 2 बजे तक रहेगा।

मेट्रो एंकर | पद उपलब्धता के आधार पर होगी पदोन्नति

डीपीसी- मप्र में आठ स्पेशल डीजी और दो एडीजी बनाए जाएंगे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अब मप्र में जल्द ही पुलिस अफसरों को विशेष पुलिस महानिदेशक, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, पुलिस महानिरीक्षक और उप पुलिस महानिरीक्षक पद पर पदोन्नति मिलेगी। इसके लिये विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक में पद उपलब्धता के आधार पर पदोन्नति का फैसला हुआ है। आठ अधिकारियों को विशेष महानिदेशक और दो अधिकारियों को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक पद पर पदोन्नत करने के लिए पात्र पाया गया है।

मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस की अध्यक्षता में समिति की बैठक में 1990 और 1991 बैच के अधिकारियों को विशेष पुलिस महानिदेशक पद पर पदोन्नत करने के लिए पात्र पाया गया। इसमें विजय कटारिया, अनुराधा शंकर, बीबी शर्मा, वरुण कपूर, उपेंद्र कुमार जैन, आलोक रंजन, प्रज्ञा रिचा श्रीवास्तव और योगेश मुदगल शामिल हैं। वहीं, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक पद के लिए 1999 बैच के अधिकारी राकेश गुप्ता और दीपिका सूरी पात्र पाए गए हैं। पुलिस महानिरीक्षक पद के लिए 06 बैच के अरविंद कुमार सक्सेना, मिथलेश शुक्ला, अनुराग शर्मा, आरआरएस परिहार, अनिल सिंह कुशवाह, रुचिवर्धन मिश्रा, चंद्रशेखर सोलंकी, टी अमोंग्ला अय्यर, चैत्रा एन, राजेश हिंगणकर, अशुमान सिंह, मिथिलेश शुक्ला और मनीष कपूरिया को पात्र पाया गया। जबकि डीआईजी के लिये 09 और 2010 बैच के 26 अधिकारियों को पात्र पाया गया है।

अवस्थी बनेंगे विशेष महानिदेशक

विपिन कुमार माहेश्वरी के 30 नवंबर को सेवानिवृत्त होने पर 1990 बैच के अधिकारी अशोक अवस्थी विशेष महानिदेशक पद पर पदोन्नत होंगे। अभी अवस्थी अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक शिकायत के पद पर तैनात हैं।

सुविचार

भरोसा रखें..
हम जब कहीं
किसी का
अच्छा कर रहे
होते हैं,
तब हमारे लिए
भी कहीं कुछ
अच्छा हो रहा
होता है

-अज्ञात

संपादकीय

बातचीत व्यापक हो

समयचक्र इस तरह आगे बढता है और कई घटनाओं को समाहित करता चलता है कि कुछ पुराने जख्म व घटना मानसपटल से धुंधले होने लगते हैं। ऐसा ही मामला मणिपुर का है। जहां के हालात अभी भी संतोषप्रद नहीं माने जा रहे हैं। हिंसा में जलते रहे इस पहाड़ी राज्य में आज भी अमन के लिए सबसे महत्त्वपूर्ण रास्ता वहां हिंसा में शामिल समूहों को बातचीत की मेज पर लाना ही है। सरकार भले ही कहती तो रही है कि हिंसा फैलाने वाले समूहों से बातचीत कर समस्या का हल निकालने की कोशिश की जाएगी, मगर अब तक इस दिशा में कोई ठोस पहल नहीं हो सकी है। हालत यह है कि मई महीने में शुरू हुई हिंसा आज भी जारी है और समस्या का कोई सर्वमान्य हल नहीं निकाला जा सका है। हालांकि इस बीच प्रशासनिक सख्ती और सेना के इस्तेमाल से अराजकता पर नियंत्रण की कोशिश की गई, मगर उसमें भी कोई बड़ी कामयाबी नहीं मिली। राज्य के मुख्यमंत्री का कहना है कि उनकी सरकार इंफल घाटी के एक उग्रवादी समूह के साथ वार्ता कर रही है और जल्द ही शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। हालांकि जिस समूह से बातचीत के बारे में कहा गया है, फिलहाल उसका नाम नहीं बताया गया है। अगर सरकार इस ओर कदम बढ़ाती दिख रही है तो क्या किसी एक उग्रवादी समूह से बातचीत के जरिए समस्या का हल निकाला जा सकेगा? गौरतलब है कि मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने के प्रस्ताव से उठे विवाद के बाद जिस स्तर का विरोध शुरू हुआ था, उसने समूचे राज्य में व्यापक जातीय हिंसा की शक्ल ले ली। मैतेई और कुकी समुदाय के बीच जानलेवा टकराव के दौरान अब तक लगभग दो सौ लोगों की जान जा चुकी है। इसमें सरकार की सबसे बड़ी जिम्मेदारी यही थी कि मैतेई समुदाय को अगर अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने को लेकर कोई विवाद है, तो वह उसे पक्ष-विपक्ष के संबंधित समुदायों के बीच संवाद के जरिए सुलझाए। मगर लगता है कि इस मसले पर उठे टकराव के प्रति धुंध और उसके बाद उपजी अराजकता को लेकर उदासीनता बरती गई। नतीजतन, पिछले करीब सात महीने से मणिपुर में हिंसा जारी है। आज भी कुकी समुदाय के लोगों को निशाना बना कर हत्या की जाती है। जिस मसले का हल बातचीत से निकाला जा सकता था, उसके जटिल होने से नाहक हिंसा में बहुत सारे लोग मारे गए, भारी पैमाने पर संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया गया। यह छिपा नहीं है कि राज्य में मौजूदा हिंसक और अराजक हालात में कई गुट शामिल हैं और सबकी अपनी-अपनी राय होगी। अगर उन प्रभावी गुटों को बातचीत में शामिल नहीं किया जाएगा, तो किसी एक समूह से वार्ता और शांति समझौता कितना स्थायी और दूरगामी हो सकता है? इससे पहले सुप्रीम कोर्ट और केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से निगरानी और शांति समितियों के जरिए स्थिति को संभालने की कोशिश की गई, मगर उनका ठोस हासिल नहीं रहा। इसके अलावा, एक ओर सरकार ने हिंसा पर काबू पाने की अप्रभावी कोशिशों के समांतर सभी पक्षों को एक मेज पर लाने के प्रति या तो उदासीनता दर्शायी या फिर नाकाम रही। अगर सरकार इनके बीच किसी एक उग्रवादी समूह से संवाद की बात कह रही है, तो इसके प्रति बेहद सावधानी बरतने की जरूरत है। हिंसा में शामिल ज्यादातर समूह अब तक बातचीत के जरिए समस्या के समाधान संबंधी प्रयासों में शामिल नहीं हो सके हैं। इसलिए सरकार और एक उग्रवादी समूह के बीच बातचीत की कामयाबी इस पर निर्भर करेगी कि दूसरे गुट इस पर क्या रुख अपनाते हैं।

कविता

धूप का छोर

-सीमा पांडे, मिश्रा

ठहरे जल से ताल अब,
रहा नहीं नाराज।
जबसे खिल तैरे कमल,
तबसे करता नाज ।।
पहले एकाकार थे,
अब तरसे दिन रैन।
विरहानल में रवि जले,
धरा न पाए चैन ।।
धन दौलत को साधना,
नहीं बहुत आसान।
बदरा जब पूरित हुए,
तब नीचे अवसान ।।
सब कुछ अपना दे दिया,
हिस्से आई पीर।
मात-पिता निर्धन हुए,
बेटे बहुत अमीर ।।
बच्चों के सपने अगर,
नहीं लगाते दाँव।
पापा नहीं निकालते,
चादर बाहर पाँव ।।
दिन भर तीखी धूप को,
सह जाने के बाद।
खिलकर कहता मोगरा,
ये मेरा प्रतिवाद।

आज का इतिहास

- **1731:** बीजिंग में भूकंप से लगभग 1 लाख लोग मारे गए।
- **1858:** वैज्ञानिक जगदीश चन्द्र बसु का जन्म हुआ।
- **1874:** ब्रिटेन के प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल का जन्म हुआ।
- **1909 :** पश्चिम बंगाल के जाने माने विद्वान रमेश चन्द्र का निधन।
- **1931:** भारतीय इतिहासकार रोमिला थापर का जन्म।
- **1936 :** लंदन का क्रिस्टल पैलेस आग से तबाह हो गया। यह 1851 की द ग्रेट एग्जीबीशन का आयोजन स्थल था।
- **1939 :** फिनलैंड पर सोवियत सेनाओं ने हमला किया। दरअसल फिनलैंड ने तत्कालीन सोवियत संघ को अपने यहां नौसैनिक अड्डा बनाने और अन्य सुविधाएं देने से इनकार कर दिया था।
- **1961:** तत्कालीन सोवियत संघ ने संयुक्त राष्ट्र की सदस्यता के लिये कुवैत के आवेदन का विरोध किया।

नए कानून में कुछ 'नया' नहीं

मौजूदा समय, हालात में आपराधिक कानून कैसे हों? बदलाव के वक्त यह व्यापक सोच जरूरी

पी. चिदंबरम

भारतीय दंड संहिता, 1860, भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 और दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 हमारे यहां आपराधिक न्याय प्रणाली के तीन स्तंभ हैं। भारतीय दंड संहिता के प्रणेता थॉमस बैबिंग्टन मैकाले थे, जिन्होंने प्रथम विधि आयोग की अध्यक्षता की थी। भारतीय साक्ष्य अधिनियम के लेखक सर जेम्स फिट्जेम्स स्टीफन थे। ऐसे ही वर्ष 1973 में नया कानून पारित कर 1898 की दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) को निरस्त कर दिया गया था। देश भर की सैकड़ों अदालतों में रोज इन तीनों कानूनों का इस्तेमाल होता है। हजारों जज और 1,50,000 से अधिक वकील (जिनमें से ज्यादातर फौजदारी मामलों से जुड़े होते हैं) लगभग रोज ही इन तीन कानूनों से गुजरते हैं। हर जज या वकील यह जानता है कि आईपीसी की धारा 302 हत्या के मामले में लगती है। वे जानते हैं कि साक्ष्य अधिनियम की धारा 25 के तहत किसी पुलिस अधिकारी के सामने दिए गए बयान से अदालत में आरोपी के खिलाफ अपराध तय नहीं होते। वे यह भी जानते हैं कि सीआरपीसी की धारा 437, 438 और 439 में अग्रिम जमानत और जमानत देने के प्रावधान हैं। इन तीनों कानूनों में ऐसे अनेक प्रावधान हैं, जिनके बारे में जजों और वकीलों को गहराई से जानकारी है।

■ **गंवाया सुधार का मौका:** कानूनों में सुधार करना अच्छा विचार है, लेकिन सुधार का मतलब यह नहीं है कि मौजूदा प्रावधानों को ही दोबारा व्यवस्थित कर दिया जाए या उनकी फिर से क्रम दिया जाए। बदलाव करते हुए यह व्यापक सोच हमारे सामने होनी चाहिए कि मौजूदा समय और परिस्थिति में आपराधिक कानून कैसा होना चाहिए। निश्चित रूप से कानून को बदले हुए जीवन मूल्यों, आदर्शों, आचार-विचार और आकांक्षाओं के अनुरूप होना चाहिए। आधुनिक अपराध विज्ञान, आपराधिक न्याय शास्त्र तथा सजा व जेलों से जुड़े आधुनिक अध्ययनों के जरूरी हिस्से नए कानून में दिखने ही चाहिए।

■ **पुनर्व्यवस्थित प्रावधान :** लेकिन इन तीन विधेयकों में हम क्या पाते हैं? कानून के क्षेत्र के अनेक विद्वानों ने इन तीन विधेयकों की गंभीरता से जांच की है। हम यह पाते हैं कि भारतीय दंड संहिता के 90-95 फीसदी प्रावधान उठाकर नए मसौदे में जोड़ दिए हैं। आईपीसी के 26 में से 18 अध्याय (तीन अध्यायों में सिर्फ एक-एक धाराएं ही थीं) नए विधेयक में ज्यों के त्यों रख दिए गए हैं। स्थायी समिति की रिपोर्ट में भी यह स्वीकारा गया है कि विधेयक में आईपीसी की 511 धाराओं में से 24 को हटा दिया गया है और 22 धाराएं जोड़ी गई हैं-बाकी को जस का तस रखा गया है, हालांकि उन्हें दोबारा व्यवस्थित किया गया है और उनके क्रम बदले गए हैं। जबकि इन बदलावों को आईपीसी में संशोधन करके बहुत आसानी से लागू किया जा सकता था। साक्ष्य अधिनियम और सीआरपीसी में भी यही कहानी दोहराई गई। साक्ष्य अधिनियम की सभी 170 धाराओं को नए विधेयक में जोड़ा गया है। ऐसे ही, सीआरपीसी का 95 फीसदी हिस्सा कट-पेस्ट है। जाहिर है, यह पूरी कवायद श्रम, समय और संसाधन की बर्बादी थी। यही नहीं, विधेयक के पारित होने पर कई अनपेक्षित परिणाम होंगे। यह कोई छोटी परेशानी नहीं है कि हजारों जजों, वकीलों, पुलिस अधिकारियों, कानून के छात्रों-यहां तक कि आम नागरिकों को भी भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। उन्हें कानूनों की फिर से जानकारी हासिल करनी पड़ेगी। जहां तक विधेयकों की विषय-वस्तुओं का सवाल है, तो इनमें कुछ अच्छी चीजें हैं, जिनके बारे में सरकार संसद में बताएगी, लेकिन मैं इन विधेयकों के उन बिंदुओं पर ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं, जिनसे सवाल उठते हैं। उनमें से महत्वपूर्ण ये हैं-

हजारों जज और 1,50,000 से अधिक वकील (जिनमें से ज्यादातर फौजदारी मामलों से जुड़े होते हैं) लगभग रोज ही इन तीन कानूनों से गुजरते हैं। हर जज या वकील यह जानता है कि आईपीसी की धारा 302 हत्या के मामले में लगती है।

■ **प्रतिगामी प्रावधान:** मृत्युदंड की सजा को खत्म किए जाने की सार्वभौमिक मांग के बावजूद इसे बनाए रखा गया है। बीते छह वर्षों में शीर्ष अदालत ने सिर्फ सात मामलों में मौत की सजा सुनाई है। किसी भी व्यक्ति को सुधार का मौका दिए जाने के नाम पर बगैर जमानत आजीवन कारावास में रखना कहीं ज्यादा सख्त दंड है।

■ व्यभिचार को, जो पति और पत्नी के बीच का मामला माना जाता है, फिर से अपराध की श्रेणी में लाया गया है। इसके आधार पर, पीड़ित पति या पत्नी तलाक के लिए मुकदमा कर सकते हैं। सरकार को उनकी जिंदगी में हस्तक्षेप करने का कोई हक नहीं है। इससे भी बुरा यह है कि आईपीसी की धारा 497, जिसे शीर्ष अदालत ने रद्द कर दिया था, उसे लिंग के प्रति तटस्थता रखते हुए वापस लाया गया है।

■ बगैर कारण बताए, मृत्युदंड या आजीवन कारावास की सजाओं को कम करने या बदलने की कार्यपालिका की शक्ति संविधान के अनुच्छेद-14 का उल्लंघन है। एकांत कारावास एक क्रूर और असामान्य सजा है।

■ कुछ मामलों में अदालत की कार्यवाहियों की मीडिया द्वारा होने वाली रिपोर्टिंग को विधायिका द्वारा रोका जाना असंवैधानिक है। आतंकवाद से जुड़े मामलों को गैर-कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत अच्छी तरह से देखा जाता है। इन्हें नई दंड संहिता के तहत लाने की जरूरत नहीं है। इसके अलावा, सहायक सत्र न्यायाधीश के पद को खत्म करना भी सही नहीं है, क्योंकि, इससे सत्र न्यायाधीश पर बोझ बढ़ जाए। इस व्यवस्था में पहली अपील उच्च न्यायालय में होगी, जिससे उच्च न्यायालयों पर भी बोझ बढ़ेगा।

■ हथकड़ी लगाने की अनुमति केवल तभी देनी चाहिए, जब हिरासत में रखा गया व्यक्ति हिंसक हो या उसके भागने की आशंका हो। जिस मजिस्ट्रेट के सामने हिरासत में लिए गए व्यक्ति को रिमांड के लिए लाया जाता है, उसे व्यक्ति की गिरफ्तारी की जरूरत और वैधता को लेकर संतुष्ट होना आवश्यक है। नई अपराध संहिता का खंड 187 (2) पुलिस अधिकारियों और न्यायाधीशों के बीच गलत धारणा पैदा करता है कि गिरफ्तार किए गए व्यक्ति को पुलिस या न्यायिक हिरासत में भेजा जाना चाहिए। मुझे न्यायमूर्ति कुष्णा अय्यर की वह चेतावनी याद आती है कि मजिस्ट्रेट किसी हिरासत की जरूरत नहीं के तीसरे विकल्प की अनदेखी करते हैं। खंड 254 जांच अधिकारी को श्रव्य-दृश्य माध्यमों से गवाही देने की अनुमति देता है, खुले सार्वजनिक न्यायालय में निष्पक्ष कार्यवाही के सिद्धांत का स्पष्ट उल्लंघन है। नया विधेयक यह स्पष्ट करने में विफल है कि जमानत नियम है, जबकि कारागार अपवाद है। नतीजतन, खंड 482 प्रतिगामी है।

■ सरकार की मंशा तो मैकाले और जेम्स स्टीफन की तरह कुछ ऐतिहासिक बदलाव लाने की थी, लेकिन ज्यादातर मौजूदा कानूनों को कॉपी, कट और पेस्ट करने से कथित बदलाव महज दो औपनिवेशिक हस्तियों को श्रद्धांजलि बन कर रह गए हैं।

साभार : लेखक पूर्व केन्द्रीय मंत्री है यह उनके अपने विचार हैं।

चुनावी-भ्रष्टता पर नियंत्रण के लिए जटायुवृत्ति जागे

ललित गर्ग

चुनाव लोकतंत्र की जीवनी शक्ति है, यह राष्ट्रीय चरित्र का प्रतिबिम्ब होता है, लोकतंत्र में स्वस्थ मूल्यों की स्थापना के लिये चुनाव की स्वस्थता एवं उसकी शुद्धि अनिवार्य है। चुनाव की प्रक्रिया गलत एवं मूल्यहीन होने से लोकतंत्र की जड़े तो खोखली होती ही है, राष्ट्र भी मूल्यहीनता की ओर अग्रसर होता है। चरित्र-शुद्धि के अभाव में चुनाव शुद्धि की कल्पना नहीं की जा सकती है। इस बार पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में ऐसा ही देखने को मिल रहा है, रेवड़ी-संस्कृति, लोकलुभावने वायदों और गारंटियों का जो कोलाहल सुना जा रहा है, येन-केन-प्रकारेण चुनाव जीतने की होड़ देखने को मिल रही है, जो कालांतर में देश के सशक्त होने, आर्थिक अनुशासन व योग्य जनप्रतिनिधियों के चयन के लिये एक चुनौती बन सकता है। लगातार चुनावों में मुक्त की रेवड़िया बांटने की परम्परा ने चुनाव प्रक्रिया एवं उसके आदर्श को धुंधलाया है। यह विडंबना है कि लोग जनप्रतिनिधि की योग्यता, कर्मठता, चारित्रिक उज्ज्वता की प्राथमिकता को दरकिनार करके संकीर्ण सोच के लाभों को प्राथमिकता देने लगे हैं। इस दूषित परंपरा से राजनेताओं और जनता का प्रलोभन विस्तार ले रहा है। इस बढ़ती बुराई एवं विकृति को देखकर आंख मूंदना या कानों में अंगुलिया डालना अपनी जिम्मेदारी से पलायन है, इसके विरोध में व्यापक जन-चेतना जगाने की अपेक्षा है। आज चुनाव में बढ़ता भ्रष्टाचार का रावण मानवता एवं चुनाव शुद्धि की सीता का अपहरण करके ले जा रहा है, सब यह अनर्थ होते हुए देख रहे हैं, पर कोई भी जटायु आगे आकर उसका विरोध करने की स्थिति में नहीं हैं। चुनाव-भ्रष्टाचार के प्रति जनता, राजनीतिक दलों एवं नेताओं का यह मौन, यह उपेक्षाभाव उसे बढ़ायेगा नहीं तो और क्या करेगा?

मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मिजोरम में विधानसभा चुनावों के लिए मतदान हो चुका है। अब केवल तेलंगाना में मतदान होना शेष है। इन राज्यों के चुनाव प्रचार के दौरान यह बात और उभरकर सामने आई कि मतदाता राजनीतिक दलों के प्रलोभन का शिकार बनने के लिए तैयार है और राजनीतिक दल एवं उनके उम्मीदवार मतदाताओं को ठगने, लुभाने एवं गुमराह करने की होड़ में लगे हैं। 'गरीब की थाली में पुलाव आ गया है...लगता है शहर में चुनाव आ गया है' भारत की राजनीति एवं चुनावों पर ये दो पंक्तियां सटीक टिप्पणी हैं, जो दुःखद एवं विडम्बनापूर्ण है। आम तौर पर मतदाता राजनीतिक दलों के घोषणा पत्रों में यह नहीं देखता कि उसमें अच्छी शिक्षा, स्वास्थ्य व्यवस्था, रोजगार, नागरिक सुविधाएं, बिजली-पानी आदि के ठोस वादे किए गए हैं या नहीं? वह अब यह देखता है कि किस दल ने उन्हें क्या-क्या मुफ्त वस्तुएं और सुविधाएं देने के वादे किए हैं। वक्त की जरूरत है कि मतदाताओं को लालीपॉप देने, मुक्त की रेवड़िया बांटने के बजाय उन्हें ऐसे अवसर दिये जाने चाहिए ताकि वे कालांतर आत्मनिर्भर बन सकें, सशक्त लोकतंत्र के निर्माण में अपनी सार्थक भूमिका निभा सके, देश के सशक्त आर्थिक विकास में योगभूत बन सके।

भ्रष्ट चुनाव से तो भ्रष्ट नेतृत्व ही मिलेगा, ऐसी भ्रष्ट स्थितियों से देश के आर्थिक विकास में भी भ्रष्टता ही व्यापक होगी, शासन के सामने आर्थिक चुनौतियों खड़ी होगी। इस तरह मुफ्त की योजनाओं और गारंटियों से सिर्फ हमारा राजकोषीय घाटा ही नहीं ब?गा, बल्कि भ्रष्टाचार को पनपने का खुला मौका मिलेगा। मतदाता यदि किसी राजनीतिक दल की दूरगामी नीतियों व विकास योजनाओं को नजरअंदाज करके तात्कालिक लाभ को प्राथमिकता देगा तो भविष्य में उसे इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। उम्मीदवारों के षड़यंत्र एवं मतदाताओं के लोभ हमारी चुनाव प्रक्रिया को भी संकट में डालते हैं। जाहिर बात है कि मुफ्तखोरी की संस्कृति के बूते सत्ता में आने वाला नेता कालांतर में सरकारी संसाधनों के दोहन को अपनी प्राथमिकता बनायेगा। जो धन उसने चुनाव के दौरान बांटा है उसका कई गुना येन-केन-प्रकारेण वसूलेगा। जिससे लोकतंत्र में लूटतंत्र की मानसिकता को प्रोत्साहन मिल सकता है। चुनाव में मुफ्त रेव?ी संस्कृति के साथ चुनाव का अधिकाधिक खर्चीला होना भी गंभीर चिन्ता का विषय है। एक-एक प्रत्याशी चुनाव प्रचार करने में करोड़ों रूप्ये व्यय करता है। यह धन उसे पूंजीपतियों एवं उद्योगपतियों से मिलता है। चुनाव जीतने के बाद वे उद्योगपति उनसे अनेक सुविधाएं जायज-नाजायज तरीकों से प्राप्त करते हैं। इसी कारण सरकार उनके शोषण के विरुद्ध कोई आवाज नहीं उठा पाती और अनैतिकता एवं भ्रष्टता की परम्परा का सिंचन मिलता है। यथार्थ में देखा जाये तो जनमंत्र अर्थतं. बन कर रह जाता हैं, जिसके पास जितना अधिक पैसा होगा, वह उतने ही अधिक वोट खरीद सकेगा। ऐसे में ईमानदार, योग्य एवं कर्मठ लोगों का राजनीति में आने का रास्ता ही बन्द हो जायेगा। चुनावों में लगातार बढ़ रही भ्रष्टता की नाजुक स्थिति में व्यक्ति-व्यक्ति की जटायुवृत्ति को जगाया जा सके, चुनावी भ्रष्टाचार के विरोध में एक शक्तिशाली समवेत स्वर उठ सके और उस स्वर को स्थायित्व मिल सके तो लोकतंत्र की जड़ों को सिंचन मिल सकता है और ऐसे हालातों में भी हमारा अमृत-काल भी चुनाव-प्रक्रिया के लिये भी अमृतमय बन सकता है।

इस बार पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में मतदाताओं को लुभाने के लिए मुफ्त पेशकश के मामले में होड़ करके राजनीतिक दल एक दूसरे को मात देने में लगे रहे। चुनाव में रेवड़ियों की इस बारिश के राजनीतिक एवं आर्थिक, दोनों निहितार्थ हैं। साथ ही यह उन राजनीतिक दलों के दोहरे रवैये को भी जाहिर करता है जो मुफ्त पेशकश के मामले में दूसरे दलों को तो आईना दिखाते हैं, लेकिन चुनाव जीतने के लिए खुद उनका सहारा लेने से कोई संकोच नहीं करते। यह दोहरा रवैया भाजपा के चरित्र में भी समाया है। सही मायनों में मुफ्त के उपहारों की हमेशा बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है। यह हमारे लोकतंत्र की भी विफलता है कि आजादी के साढ़े सात दशक बाद भी हम अपने लोकतंत्र को इतना सजग व समृद्ध नहीं बना पाये कि मतदाता अपने विवेक से अपना दूरगामी भला-बुरा सोचकर मतदान कर सके। अतीत के अनुभव बताते हैं कि जिस भी राज्य ने मुफ्त खाद्यान्न, पानी, बिजली व सब्सिडी बांटी है उसकी अर्थव्यवस्था भविष्य में चरमराई ही है। सही मायनों में मुफ्त कुछ नहीं होता, वह करदाताओं की पसीने की कमाई से पैदा होता है। देश को कल्याणकारी नीतियों की जरूरत है, लेकिन वह आर्थिक अनुशासन और राजकोषीय विवेक पर आधारित होना चाहिए। कोई भी दल यह बताने को तैयार नहीं कि वे मुफ्त वस्तुएं जैसे कि स्कूटी, लैपटाप, मोबाइल, सोना, मुफ्त बिजली-पानी-बस यात्रा समेत अन्य वस्तुएं और सुविधाएं देने के जो वादे कर रहे हैं उन्हें पूरा कैसे करेंगे? वास्तव में यह वह सवाल है जो मतदाताओं को करना चाहिए। वह यदि यह सवाल नहीं करता तो इसका कारण लालच और फौरी लाभ ही है। लेकिन मतदाताओं का यह लाभ का दृष्टिकोण समूचे लोकतंत्र के लिये कितना नुकसानदायी है, इस पर चिन्तन करना जरूरी है। ऐसा नहीं है कि रेवड़िया बांटने का खेल देश में पहले नहीं होता था, लेकिन आज जिस पैमाने पर हो रहा है, वह हर देशभक्त की चिंता का विषय होना चाहिए। कहीं न कहीं, मुफ्त की गारंटियों का यह खेल जवाबदेह प्रशासन व आर्थिक स्थिरता पर कालांतर गहरी चोट करेगा। वहीं ये गतिविधियां एक जिम्मेदार लोकतंत्र पर सवालिया निशान लगाती हैं। यह बड़ा सत्य है कि मुफ्त की रेवड़ियां बांटने से हमारी अर्थव्यवस्था व विवेकशील सुशासन पर घातक असर पड़ता है। अंततः रेवड़ी संस्कृति का आर्थिक दबाव सरकारी संसाधनों पर पड़ता है। राज्यों के आर्थिक संसाधन सीमित हैं। ऐसे में बांटा गया धन कालांतर में हमारे बुनियादी ढांचे व विकास परियोजनाओं के लिये निर्धारित धन में कटौती करता है। जिससे समग्र एवं संतुलित विकास का लक्ष्य हासिल नहीं हो पाता। निश्चित रूप से समाज के कमजोर वर्ग को आर्थिक संबल दिया जाना चाहिए। लेकिन मुफ्त रेवडियां बांटने से वह अकर्मण्य एवं कामजोर होंगे, जरूरत ठोस आर्थिक विकास व रोजगार के अवसर सृजन की होनी चाहिए।

साभार : ये लेखक के अपने विचार हैं।

वाहनों पर 15 दिसम्बर तक हाई सिक्यूरिटी रजिस्ट्रेशन नंबर प्लेट लगाए जाने के निर्देश

नियमों का उल्लंघन करने पर चालानी एवं दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

उच्च न्यायालय जबलपुर द्वारा 11 जुलाई,2023 को आदेश पारित करते हुये निर्देशित किया है कि म.प्र. के समस्त वाहनों में एचएसआरपी लगाए जाने की कार्यवाई 06 माह में अनिवार्य रूप से पूर्ण की जावे। उच्च न्यायालय एवं सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशों के अनुक्रम में परिवहन विभाग म.प्र.शासन द्वारा आदेश 01 अप्रैल 2019 के उपरांत विक्रित वाहनों में भारत सरकार, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा अधिकृत एजेंसिया, डीलर, ओइएम द्वारा वाहनों में एचएसआरपी नंबर प्लेट लगाई जा रही है। एवं 01 अप्रैल2019 के पूर्व विक्रित वाहनों में भी एचएसआरपी नंबर प्लेट लगाये जाने के लिए अधिकृत किया जाता है। समस्त शासकीय एवं अशासकीय वाहनों में एचएसआरपी 06 माह में अनिवार्य रूप से लगाई जाना सुनिश्चित किया जाए।

मध्यप्रदेश परिवहन विभाग द्वारा 01अप्रैल 2019 के पूर्व निर्मित एवं पंजीकृत वाहनों पर तीसरे रजिस्ट्रेशन चिन्ह सहित हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट लगाने की प्रक्रिया निर्धारित की गई है। प्रत्येक मोटयान डीलर एवं वाहन की निर्माता कंपनियां अति सुरक्षा रजिस्ट्रीकरण प्लेट एवं तीसरे पंजीयन चिन्ह के संबंध में केन्द्रीय मोटरयान नियम- 1989 के नियम-50, परिवहन राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार की अधिसूचना संख्या-का.आ.-6052 का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करेंगी। इस प्रक्रिया को अधिक प्रभावी एवं पारदर्शी बनाने के लिए वाहन निर्माता अथवा उसके डीलर ऑनलाइन पोर्टल विकसित करेंगे, जिसमें आवेदक निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार डीलर को ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत कर अपने वाहन में एचएसआरपी स्थापित करने की कार्यवाही पूर्ण करायेगा। आवेदक द्वारा अपनी वाहन निर्माता कंपनी अथवा नजदीकी डीलर को अपने वाहन पर तीसरे रजिस्ट्रेशन चिन्ह सहित एचएसआरपी लगाने के संबंध में ऑनलाइन आवेदन पत्र प्रस्तुत किया जाएगा। आवेदन से पूर्व आवेदक द्वारा यह सुनिश्चित किया जाएगा कि वाहन पर कोई चालान लंबित नहीं है तथा वाहन की पंजीयन पुस्तिका निलंबित अथवा निरस्त नहीं की गयी है।

ऑनलाइन आवेदन पत्र प्राप्त होने के पश्चात् डीलर वाहन के विवरण का मिलान वाहन पोर्टल से करेगा। डीलर किसी भी दशा में वाहन स्वामी से किसी प्रपत्र की मांग नहीं करेगा तथा वाहन के उपयुक्त पाये जाने पर ऑनलाइन पोर्टल तथा एसएमएस के माध्यम से वाहन स्वामी को इसकी सूचना देगा। वाहन स्वाभी डीलर से वाहन विवरण मैच होने की सूचना प्राप्त होने पर वाहन के डीलर को देय फीस ऑनलाइन माध्यम से अदा करेगा। डीलर द्वारा शो-रूम पर भी देय फीस को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किया जायेगा। ऑनलाइन पोर्टल पर आवेदन पत्र तथा अदा की गयी फीस की रसीद को प्रिन्ट लेने की सुविधा दी जायेगी। वाहन स्वामी द्वारा प्रस्तुत विवरण वाहन सॉफ्टवेयर पर उपलब्ध विवरण से मैच नहीं करता है तो इस आशय की सूचना डीलर द्वारा वाहन स्वामी को ऑनलाइन पोर्टल तथा एसएमएस के माध्यम से तुरंत प्रदान की जायेगी कि वह संबंधित परिवहन कार्यालय जाकर वाहन का विवरण अपडेट कराना सुनिश्चित करें। ऑनलाइन फीस जमा करने के पश्चात् वाहन स्वामी तिथि का ऑनलाइन पोर्टल पर चयन करेगा ताकि निर्धारित तिथि पर वाहन स्वामी आकर अपने वाहन पर हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट स्थापित करा सकें।

डीलर द्वारा हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट तथा होलोग्राम आधारित स्टिकर उन्हीं हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट निर्माताओं के अधिकृत स्त्रोतो से प्राप्त किया जाएगा, जिनके द्वारा केन्द्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली या केन्द्रीय मोटरयान नियमावली, 1989 के अंतर्गत केन्द्रीय सरकार द्वारा अधिकृत किसी परीक्षण एजेन्सी से प्रमाण-पत्र प्राप्त किया गया हो। प्रत्येक डीलर वाहन पर प्लेट स्थापित करने के पश्चात् वाहन पोर्टल पर हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट से संबंधित डिटेल्स अपलोड करेगा तथा उसके प्रिन्ट आउट की एक प्रति वाहन स्वामी को प्रदान करेगा। डीलर किसी वाहन में हाई सिक्योरिटी प्लेट स्थापित करने से पूर्व यह सुनिश्चित करेगा कि जिस वाहन के लिए आवेदन प्राप्त हुआ है, नंबर प्लेट भी उसी वाहन पर स्थापित की जाये, अर्थात् डीलर वाहन प्रस्तुत होने पर चैसिस एवं इंजन नंबर के मिलान करने के पश्चात् ही हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट लगायेगा।प्रत्येक डीलर वाहन निर्माता द्वारा उपलब्ध कराये गयी हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट एवं तीसरे रजिस्ट्रेशन चिन्ह का ही प्रयोग करेगा। आवेदन पत्र प्राप्त होने से लेकर वाहन पर हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट लगाये जाने तक की कार्यवाही ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से ही की जायेगी। सभी वाहन निर्माता/डीलर्स तत्काल मौजूदा वाहनों पर तीसरे रजिस्ट्रेशन चिन्ह सहित हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट आवेदन करने/लगाने के लिए ऑनलाइन व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे।

सभी श्रेणी के वाहन 01 अप्रैल,2019 के पूर्व पंजीकृत वाहनों के लिए एचएसआरपी लगाने की समयसीमा 15 दिसम्बर 2023 तक निर्धारित की गई है। पूर्व के वाहनों पर निर्धारित तिथि 15 दिसम्बर 2023 तक एचएसआरपी नहीं लगे होने पर चालानी एवं दंडात्मक कार्यवाही नहीं होगी, लेकिन पुलिस एवं परिवहन विभाग द्वारा वाहन स्वामियों को जागरूकता अभियान चलाकर एचएसआरपी लगाने के लिए अभिप्रेरित करेंगे। 15 दिसम्बर 2023 के बाद प्रवर्तन अभियान (श्ठद्धश्हृद्दद्दठ्ठ स्रद्ध1द्द) चलाकर नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों पर चालानी एवं दंडात्मक कार्यवाई की जायेगी। आदेश के परिपालन में शतप्रतिशत वाहनों में 15 जनवरी 2024 तक एचएसआरपी लगाए जाने की कार्यवाई पूर्ण की जायेगी। न्यायालय एवं भारत सरकार द्वारा जारी निर्देशों के अनुपालन के लिए पूर्व पंजीकृत मौजूदा वाहनों में हाई सिक्यूरिटी रजिस्ट्रेशन नंबर प्लेट (ऻस्रक्क) लगाने के संबंध में दिशा निर्देश जारी किये गये हैं।

मतगणना सफलतापूर्वक संपन्न करने के लिए अधिकारियों को सौंपे गए दायित्व

गंभीरतापूर्वक क्रियान्वयन करें : जिला निर्वाचन अधिकारी

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

विधानसभा निर्वाचन 2023

विधानसभा निर्वाचन 2023 की नर्मदापुरम जिले की चारों विधानसभाओं का मतगणना का कार्य 3 दिसम्बर 2023 को शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नर्मदापुरम में किया जाएगा। जिला निर्वाचन अधिकारी नीरज कुमार सिंह ने मतगणना कार्य के सुचारू संचालन के लिए सीईओ जिला पंचायत सोजान सिंह रावत को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। उनके सहयोग के लिए विभिन्न अधिकारियों को विभिन्न मतगणना कार्यो के लिए दायित्व सौंपे गये है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सिंह ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे सौंपे गये दायित्वों का कार्य करना सुनिश्चित करें।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मतगणना में निर्धारित अधिकारी /कर्मचारियों के पास तैयार कर उन्हें उपलब्ध कराने एवं मतगणना में कानून व्यवस्था के लिए नोडल अधिकारी अपर कलेक्टर डीके सिंह एवं उनकी सहायता के लिए सहायक नोडल अधिकारी अनुविभागीय अधिकारी इटारसी श्रीमती नीता कोरी को सौंपा गया है। इसी तरह से मतगणना के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशुतोष मिश्रा, विधानसभा की संपूर्ण मतगणना का दायित्व संबंधित विधानसभा क्षेत्र के रिटर्निंग आफिसर यथा प्रमोद गुर्जर विधानसभा क्षेत्र सिवनीमालवा, आशीष पांडे होशंगाबाद, ब्रजेन्द्र रावत सोहागपुर एवं संतोष तिवारी पिपरिया को सौंपा गया है।

मतगणना कार्य में विभिन्न कार्य के लिए भी जिला निर्वाचन अधिकारी नीरज कुमार सिंह ने दायित्व सौंपे है इसके अनुसार मानव क्षमता प्रबंधन, टेबुलेशन कार्य के लिए उप संचालक कृषि जेआर हेडाउ, सहायक डीआईओ मनीष गुणवान, अधोसंरचना कार्य के लिए ईई पीडब्ल्यूडी संजय रायकवार एवं सहायक राजीव पाठक एवं आरडी भाटी, प्रशिक्षण कार्य के लिए जिला शिक्षा अधिकारी एसपी सिंह एवं सहायक पीके पटवा, ईटीपीएबीएस एवं डाकमतपत्र की गणना का दायित्व डिप्टी कलेक्टर संपदा सराफ एवं सहायक संचालक जिला महिला एवं बाल विकास बीपी गौर एवं जिला प्रबंधक ईगवर्नेस संदीप चौरसिंया तथा संयुक्त कलेक्टर फरहीन खान को नोडल अधिकारी और उनके सहयोग के लिए सहायक मास्टर ट्रेनर्स पंकज दुबे , जिला योजना अधिकारी यूएस पठारिया, लोक सेवा प्रबंधक आनंद झैरवार, सहायक संचालक जनसंपर्क रोमित उइके को विभिन्न दायित्व सौपे गए है। मतगणना के दौरान सामग्री प्रबंधन का कार्य जिला रेशम अधिकारी शरद श्रीवास्तव एवं उनके सहयोग के लिए सुधीर कुमार राजपूत, हरीष गोस्वामी, सलिल भारद्वाज, नारायण गंगराडे, भोजन व्यवस्था के लिए जिला आपूर्ति नियंत्रक श्रीमती ज्योति जैन एस सहायक दिनेश कुमार अहिरवार, मतगणना स्थल पर साफ सफाई कार्य के लिए मुख्य नगर पालिका अधिकारी नवनीत पांडे एवं सहायक प्रशांत जैन को दायत्वि सौपा गया है। मतगणना के दौरान विद्युत व्यवस्था के लिए महाप्रबंधक विद्युत मंडल बी बी एस परिहार एवं सहायक रमन कीर, सीसीटीव्ही एवं वीडियोग्राफी की निगरानी के लिए डिप्टी कलेक्टर बबीता राठौर एवं सहायक शेलेष उके, सीलिंग कार्य के लिए संयुक्त कलेक्टर एवं सहायक के रूप में राकेश खजुरिया को दायित्व सौंपे गये हैं।

बुजुर्गों के लिए मददगार है एल्डर लाइन नंबर 14567, शारीरिक या भावनात्मक दुर्व्यवहार की कर सकते हैं शिकायत

रायसेन, दोपहर मेट्रो

वरिष्ठजन अपने साथ होने वाले शारीरिक या भावनात्मक रूप से दुर्व्यवहार के संबंध में एल्डरलाइन नंबर 14567 पर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार तथा सामाजिक न्याय और निशक्तजन कल्याण विभाग के अंतर्गत वरिष्ठ नागरिकों की सुविधा एवं मार्गदर्शन हेतु सहायता के लिए हेल्पेज इंडिया द्वारा हेल्पलाइन टोल-फ्री नम्बर जारी किया गया है।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्थापित एक योजना है, जो मप्र के सभी जिलों में संचालित है। यह हेल्पलाइन सप्ताह के सातों दिन सुबह 08 बजे से रात 08 बजे तक कार्य करती है। एल्डर लाइन के अतंर्गत सेवाओं के एक भाव के रूप में मुफ्त कानूनी मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है तथा वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण और रख-रखाव के अधिनियम-2007 के बारें में और पेंशन योजनाओं के बारें में जानकारी प्रदाय की जाती है। यदि किसी वरिष्ठजन के साथ शारीरिक या भावनात्मक रूप से दुर्व्यवहार किया जा रहा है, तो वह इस हेल्पलाइन नंबर पर रिपोर्ट कर सकतें है। कोई भी वरिष्ठजन अकेला हो या भावनात्मक रूप से कमजोर महसूस कर रहा हों, वे फोन करके बात कर सकतें है। हेल्पलाइन के माध्यम से भावनात्मक परामर्श प्रदान करने, परित्यक्त वृद्ध लोगों को अस्थाई आश्रय प्रदान करनें, उन्हें फिर से उनके परिवार के साथ मिलानें में मदद की जाती है। इसके अलावा वृद्धाश्रम, देखभाल करने वाली संस्थाओं, अस्पतालों आदि के बारें में भी जानकारी प्रदान की जाती है।

मौसमी बीमारियों सहित अन्य बीमारियों के 80 मरीजों का हुआ निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो

सिवनी मालवा में बीएचआरसी ग्रुप द्वारा संचालित भोपाल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, भोपाल द्वारा डोलरिया में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर में मधुमेह, हृदय रोग, ब्लड प्रेशर, सांस की तकलीफ, पेट की समस्या, थायराइड, त्वचा रोग बुखार व अन्य मौसमी बीमारियों से संबंधित लगभग 80 मरीजों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। बीएचआरसी ग्रुप के डायरेक्टर डॉ विशाल सिंह बघेल के साथ भोपाल हास्पिटल के डॉ आदर्श शुक्ला, डॉ नितीश बघेल ने मरीजों की समस्या को सुना एवं उचित परामर्श दिया। यह शिविर शिवगीता भवन, तहसील के सामने डोलरिया में संपन्न हुआ। शिविर को सफल बनाने में सत्तू परिहार, दीपेंद्र भदौरिया, अंकित राजपूत, रिलाएबल सोशल वेलफेयर सोसायटी के ईश्वर विश्नोई, आनंद लौवंशी, विवेक योगी, पीयूष राठौर, सौरभ बड़गुर्जर, टीना पाल, पूजा कहार, करण दुबे सहित अन्य की महत्वपूर्ण भूमिका रही। डॉ विशाल सिंह बघेल ने सभी का आभार माना।

मेट्रो एंकर

नगर पालिका के आधार केन्द्र प्रबंधक वानखेड़े से ही आये दिन क्यों होते हैं विवाद

पुलिस प्रशासन से बार बार शिकायत करने वाले वानखेड़े को बाहर का रास्ता दिखाया जाए: वर्मा

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

नपा कर्मचारी मजदूर संघ के कार्यकारी अध्यक्ष महेश वर्मा ने बताया है कि कार्यालय नगरपालिका में स्थित आधार केन्द्र के प्रबधंक राहुल वानखेडे से ही विवाद, झगड़ा, गाली गलौच, उनका कम्प्यूटर व आधार से संबंधित उपकरणों को ही टारगेट इत्यादि जैसी दुर्घटनायें घटित होती हैं इससे ऐसा लगता है की श्री वानखेडे अपने कर्तव्य के प्रति निष्ठावान नहीं है इनका लोगों से व्यवहार ठीक नहीं है या जान बूझकर कर लोग इनको टारगेट कर परेशान करते है सबसे पहले हमेशा पुलिस में शिकायत करने का इनके द्वारा फैशन बना लिया गया है कलेक्टर पुलिस अधीक्षक पुलिस थाना प्रभारी, एंव नगरपालिका की अध्यक्ष सीएमओ को इस विषय संग्यान लेकर प्राथमिकता के साथ उचित कार्यवाही करना चाहिए क्योंकि आये दिन नगरपालिका परिषद नर्मदापुरम में स्थित आधार केन्द्र के प्रबधंक राहुल वानखेडे का किसी न किसी से झगड़ा विवाद होता रहता है फिर यह आदतन पुलिस में शिकायत करते हैं हमेशा सामने वाले पक्ष की गलती बताते है और स्वयं निर्दोष रहते हैं कुछ दिन पहले नगरपालिका के आधार केन्द्र में नगरपालिका की अध्यक्ष के पीए से इनका विवाद हुआ हरिजन थाने में शिकायत की गई फिर पार्षद पुत्र से झगड़ा विवाद की शिकायत पुलिस में की गई और अब संजय सरदार की शिकायत पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों से की गई है. इनका जिनसे विवाद होता है वह आधार कार्य से संबंधित सामग्री को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करते है।

मजदूर संघ जिला प्रशासन के अधिकारियों, कलेक्टर साहब, पुलिस अधीक्षक, थाना प्रभारी, नगरपालिका अध्यक्ष व सीएमओ से अपेक्षा करता है कि इस विषय पर संग्यान लेकर दोषी के प्रति उचित कार्यवाही की जावे नगरपालिका कार्यालय में स्थित आधार केन्द्र से प्रबधंक राहुल वानखेडे को बाहर का रास्ता दिखाया जावे क्योंकि इनके द्वारा हमेशा कार्यालय नगरपालिका की छवि धूमिल होती हैं जो कि उचित नहीं है।

फसलों के लिए फायदेमंद होगी रुक-रुककर हो रही हल्की बारिश

1.5 मि.मी बारिश ने मौसम में घोल दी ठंडक, ठंडी हवाओं ने बढ़ाई ठिठुरन

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

सिरोंज क्षेत्र में रविवार व सोमवार की रात्रि में हुई 1.5 मि.मी बारिश ने मौसम में पूरी तरह ठंडक घूल दी है। वही मंगलवार को दिन के समय आसमान में बादलों की लुका-छुपी चलती रही। क्षेत्र के कई हिस्सों में रुक- रुककर हल्की बारिश हुई। बारिश की वजह से दिन में चली हवाओं ने ठिठुरन बढ़ा दी है। जिसके चलते लोग पूरी तरह से गर्म कपड़ों में खुद को ढंकने के बाद ही बाहर निकलते हुए देखे गए। वहीं सोमवार से ही छाए बादल मंगलवार को भी बने रहे जिसकी वजह से सर्दी बढ़ गई है। सुबह व शाम के वक्त लोग अलाव तापते हुए देखे गए। मंगलवार को दिन का तापमान 19.5 और रात का 15.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। रविवार रात से सोमवार शाम तक सिरोंज में 1.5 मि.मी मीटर बारिश दर्ज की गई। वही मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि आने वाले कुछ दिनों तक मौसम का मिजाज ऐसा ही रहेगा। बारिश की वजह से दिन के तापमान में यहां गिरावट देखी जाएगी, वहीं रात के पारे में हल्की बढ़ोतरी होगी।

किसानों के लिए फायदेमंद साबित हो रही बारिश

इस साल सिरोंज क्षेत्र में औसत से कम बारिश हुई है। यही वजह है कि, क्षेत्र के ज्यादातर कुएं, तालाब व बावड़ियों सहित अन्य जल स्रोत खाली पड़े है। भू-जल स्तर कम होने से मोटर भी लगातार नहीं चल पा रही। ऐसे में यदि अगले एक दो दिन तक क्षेत्र में हल्की बारिश भी होती है तो यह खेती की दृष्टि से खासी फायदेमंद रहेगी। कृषि वैज्ञानिक अनुसार बारिश के बाद खेतों में जहां अब तक बनी नमी कम नहीं होगी, वहीं सूखे खेतों में अतिरिक्त सिंचाई की जरूरत नहीं पड़ेगी।

बासौदा नाके से नहर की पुलिया तक सड़क गड्ढों में हुई तब्दील

जिम्मेदार नहीं दे रहे ध्यान किसी दिन हो सकता है बड़ा हादसा

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

प्रशासन के जिम्मेदारी अधिकारियों की अनदेखी के कारण नहर की पुलिया से लेकर वलेज पेट्रोल पंप तक सड़क पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुकी है। वाहन चालकों के साथ आसपास के रहवासियों को भी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है ।इनकी शिकायतों को भी प्रशासन जिम्मेदारी ध्यान नहीं दे रहे हैं। घरों से निकलने वाला गंदा पानी भी सड़क पर भरा रहता है इसकी वजह से गड्ढे और ज्यादा गहरे हो गए हैं । रात्रि में तो वाहन चालकों को गड्ढे दिखाई नहीं देते इसके कारण दो पहिया वाहन चालक कई बार इन गढ़ों में गिरकर दुर्घटना का शिकार हो चुके हैं बार तो बड़ी गंभीर चोटे भी इन गढ़ों में बांधों के गिरने के कारण आ चुकी हैं। किसी दिन प्रशासन के अधिकारियों की लापरवाही के कारण बड़ी अनहोनी भी हो सकती है। शायद तभी जिम्मेदारी तभी कुंभकरण की नींद में से जाकर और गढ़ों में तब्दील हो चुकी सड़क बनवाने का काम करेंगे।

नगर पालिका प्रशासन के अधिकारियों को इस सड़क पर गड्ढे दिखाई नहीं दे रहे हैं और यहां पर पानी निकासी की भी कोई व्यवस्था नहीं है आसपास के रहवासियों के घरों से निकलने वाला पानी भी सड़क पर हुए गड्ढे में ही जमा हो रहा है ।इसकी वजह से गड्ढे दिन-ब-दिन गहरे होते जा रहे हैं यातायात का दबाव होने के कारण और भी हालत खराब होते जा रही है। कई बार क्षेत्र के रहवासी इन गढ़ों से मुक्ति दिलवाने की मांग प्रशासन के अधिकारियों से कर चुके हैं उनको इन की समस्या दिखाई नहीं दे रही है ।नगर के विकास को धूमिल कर रही रही सड़क की मरम्मत करवाने के लिए भी नगर पालिका प्रशासन कदम नहीं उठा रहा है गढ़ों से मुक्ति दिलाने के लिए इस मार्ग की मरम्मत भी नगर पालिका परिषद के अधिकारी कर सकते थे पर उनके द्वारा भी कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। बरसात के दिनों में पानी निकासी की समस्या को लेकर क्षेत्र का भ्रमण करने के लिए विधायक उमाकांत शर्मा भी पहुंचे उसे समय उन्होंने नगर पालिका सीएमओ से लेकर इंजीनियर को जमकर फटकार लगाते हुए तत्काल इस समस्या को दूर करने के निर्देश दिए थे एक साल बीतने वाला है उनके निर्देश का धरातल पर पालन नहीं होने का नतीजा यह कि पानी अब घरों के आगे भरा रहता है मुख्य सड़क पर ही पानी जमा होने के कारण पहले सड़क पर छोटे-छोटे गड्ढे थे पर लगातार पानी भरा रहने के कारण उसमें गड्ढे गहरे हो गए हैं। अब तो चार पहिया बाहर निकलना भी यहां से मुश्किल हो गया है ,समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया तो इतनी हालत भी खराब नहीं होते जो अब होगा चुके हैं।

आने वाले दिनों में और भी बड़ी समस्या इस सड़क पर होने वाली है चार पहिया बाहर निकलना भी मुश्किल हो जाएगा क्षेत्र के रह वासियों ने बताया कि सड़क की हालत इतनी ज्यादा खराब हो चुकी है कि दो पहिया वाहन तो हमेशा इन गढ़ों में गिरकर दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं, कई बार वाहन चालकों को चोट भी आ चुकी है इसको लेकर हमने नगर पालिका प्रशासन से लेकर एसडीएम जन प्रतिनिधियों को अवगत करा दिया गया है पर किसी के द्वारा भी हमारी समस्या को दूर करने का प्रयास नहीं किया जा रहा है। जल्दी हमारी समस्या का समाधान नहीं किया गया तो हम लोगों को सड़क पर बैठकर प्रदर्शन करना पड़ेगा शायद तभी हमारी समस्या का समाधान जिम्मेदार अधिकारी कर पाएंगे अभी तो इनको हमारी समस्या से कोई सरोकार किसी को नहीं है। तभी तो हमारी शिकायतों को अनदेखा किया जा रहा है ।अब देखना है कि इस समस्या का समाधान अधिकारियों के द्वारा करवाया जाएगा या नहीं या फिर इसी खस्ताहाल मार्ग से ही वाहन चालकों को आना जाना पड़ेगा किसी दिन बड़ी जननी होने के बाद जिम्मेदारों को सड़क बनवाने की याद आएगी।

इनका कहना है

सड़क पर इतने गहरे गहरे गड्ढे हुए हैं कि दो पहिया वाहन गढ़ों में से वाहनों को निकालने के दौरान गिर जाते हैं चोटे भी आ चुकी हैं ।चार पहिया बाहर निकलना भी मुश्किल हो रहा है कई बार सड़क बनवाने के लिए शिकायत कर चुके हैं कोई सुनवाई नहीं हो रही है।

शैलेंद्र रघुवंशी, रहवासी

यदि ऐसी समस्या है तो संबंधित विभाग के अधिकारियों से बात करके सड़क की मरम्मत करवाएंगे और सड़क बनवाने के लिए भी जरूरी कदम उठाए जाएंगे आम जनता की समस्या को दूर करवाया जाएगा।

हर्षल चौधर, एसडीएम

स्वर्ण जयंती समारोह में सिरोंज में पहली बार ईसाई धर्मगुरू विशाप सेवस्टीयन के आगमन को लेकर भव्य तैयारिया प्रारंभ

कल छात्र सम्मेलन में शामिल होंगे 100 फादर व प्राचार्य

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

निर्मला कान्वेंट हायर सेकेण्डरी स्कूल ने अपनी स्थापना के 50 वर्ष पूर्ण कर लिए है। तो वही संस्था 30 नंवम्बर को अपना स्वर्ण जयंती समारोह मनाने जा रही है। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर संस्था द्वारा बडें हर्ष उल्लास से तैयारिया की जा रही है। जहा पर स्कूल के बच्चों में एक अलग ही खुषी नजर आ रही है। वही गुरूवार को संस्था के फादर एंटोनी पयापल्ली एंव प्राचार्य सिस्टर ऐंजलिन के निर्देषन में भव्य कार्यक्रम का आयोजन होने जा रहा है। 1973 में उक्त संस्था ने सिरोंज में अपने पैर जमाए थें आज के वर्तमान समय में षिक्षा के क्षेत्र में निर्मला कान्वेंट हायर सेकेण्डरी स्कूल एक सबसे बडी संस्था मानी जाती है। वही सामाजिक कार्यो में संस्था सदैव अग्रनी रहती है। वही 30 नवम्बर को होने जा रहें भव्य कार्याक्रम की अध्यक्षता विदिषा कलेक्टर उमाषंकर भार्गव द्वारा की जाएगी। साथ ही कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में भोपाल से पधार रहें ईसाई धर्मगुरू बिषाप सेवस्टीयन सहित अन्य अतिथि कार्यक्रम में मौजूद रहेंगें।

आज छात्र सम्मेलन में देश-विदेश से आएगें 500 छात्र-छात्राए

सामाजिक गतिविधियों में हमेषा आगे रही संस्था - निर्मला कान्वेंट हायर सेकेण्डरी स्कूल के पूर्व छात्रों द्वारा राषि एकत्रित कर चार निधन परिवारों को आवास तैयार कर उपलब्ध कराए जा चुके है। साथ ही कई गरीब परिवार को अपना सिर छिपाने के लिए छत दे चुके है। तो वही लटेरी उपजेल में बंद कैदियों को प्रत्येक रक्षाबधंन पर छात्राओं द्वारा राखी बाधी जाती है और उनके साथ विचारों को आदन प्रदान कर एक नई दिषा देने का प्रयास स्कूल प्रबधन द्वारा किया जाता है। सिरोज में स्थित अनाथ आसरम में बेसहारा नागरिकों को एक माह की भोजन सामग्री दी जाती हैं इस तरह नगर के वार्ड क्रमांक 19 व वार्ड क्रमांक 16 कटरा मोहल्ला में निवास कर रहें गरीबों को अनाज एंव अन्य दैनिक उपयोग सामान सस्था द्वारा दिया जाता है।

आज 500 छात्र-छात्राए एंव 100 फादर व प्राचार्य एकत्रित होगें - निर्मला कान्वेंट हायर सेकेण्डरी स्कूल में संस्था की स्वर्ण जयंती के अवसर पर आज 29 नवम्बर को 1999 के पूर्व छात्र एंव फादर व प्राचार्य का सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इस सम्मेलन में वह छात्र भी उपस्थित रहेंगें जो देष में शासकीय सेवाओं में रहकर कार्य कर रहें है एंव कुछ ऐसे भी छात्र मौजूद रहेगें जो कि विदेषों में निवास कर रहें है। उन छात्र-छात्राओं ने भी ऑल लाइन आकर कार्यक्रम में उपस्थित होने की अनुमति प्रदान की है। इसी के साथ 1999 के पूर्व के जो फादर व प्राचार्य रहे जिन्होने संस्था में कार्य किया ऐंसे लगभग 100 फादर व प्राचार्य ने कार्यक्रम में आने की अनुमति दी है। सिरोंज के इतिहास में इतना बड़ा पूर्व छात्र सम्मेलन पहली बार आयोजित होने जा रहा है। जिसमे उम्मीद की जा रही है कि नए विचारो का भी आत्ममंथन होगा। जो सिरोंज के षिक्षा जगत में लाभ प्रदान करेगा। आईएएस जैसे अनेको पदो पर संस्था से निकले हुए छात्र आज देष के कोने कोने में अपनी सेवाए दे रहें है। जिससे सिरोंज के अलावा संस्था भी गौरंवित हो रही है। संस्था द्वारा ऐसे कई छात्र-छात्राए है जो कि देष व विदेषों में बडें बडें पदो पर रहकर अपनी सेवाए प्रदान कर रहें है।

कलेक्टर ने मतगणना तैयारियों की समीक्षा की

सीहोर। विधानसभा निर्वाचन-2023 के तहत जिले की चारो विधानसभा में हुए मतदान की मतगणना 3 दिसम्बर को जिला मुख्यालय स्थित शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय में होगी। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री प्रवीण सिंह ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में मतगणना की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि मतगणना प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि मतगणना स्थल पर पर्याप्त बैरिकेटिंग के साथ ही सुरक्षा से संबंधित सभी तैयारियां संबंधित अधिकारी अपनी देखरेख में पूरी कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि मतगणना परिसर में बिना पास के किसी को भी प्रवेश न दिया जाए तथा पासधारी व्यक्तियों को भी गेट पर तलाशी के बाद ही प्रवेश दिया जाए। प्रत्याशियों के एजेंट भी बिना पास के अंदर नहीं जाएंगे। उन्होंने मतगणना स्थल पर मीडिया कक्ष, मंच, लाइट, लाउडस्पीकर, फर्नीचर, कुर्सी, टेंट, टेबल, पानी सहित सभी आवश्यक सामग्रियों एवं साधनों की उपलब्धता के संबंध में अधिकारियों से विस्तार से जानकारी ली।

किस करवट बैठेगा ऊंट इसको लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म

सिरोंज। 17 नवंबर विधानसभा धिकांश जगह पर इसी बात को लेकर चर्चा होगी कि इस बार जीत किसकी होगी और सरकार किसकी बनने वाली है। इस बात को लेकर चर्चा जरूर जोर से चल रहे हैं चाय पान की दुकानों से लेकर चांदनी चौक पर देर रात तक किसको जीत मिलेगी उसको लेकर गरमा गरम बहस भी होती है ।एक पक्ष कहता है इसकी जीत होगी दूसरा पक्ष किया था इसकी जीत होगी इसको लेकर हर जीत पर दावा भी लगाने का दौर प्रारंभ हो गया वहीं स्थानीय सट्टा बाजार के द्वारा भारतीय जनता पार्टी की प्रत्याशी उमाकांत शर्मा और कांग्रेस प्रत्याशी गगनेंद्र रघुवंशी को बराबर का भाव दिया जा रहा है। इस वजह से किसी के पक्ष में भी परिणाम जा सकता है।श इस बात को लेकर भी चर्चा हो रही है। दूसरी और इस चुनाव में एक बात की जरूर चर्चा हो रही है की पहली बार कांग्रेस में तगड़ा उम्मीदवार मैदान में उतारा है। वहीं जीत उसकी भी उसी को नसीब होगी जिसको लटेरी क्षेत्र से लीड प्राप्त होगी इस बात को लेकर भी सबसे ज्यादा चर्चा हो रही है। 3 दिसंबर का इंतजार बेसब्री से हो रहा है जैसे-जैसे तारीख में पास आती जा रही है वैसे ही वैसे प्रत्याशियों तथा इनके समर्थकों की धड़कन में भी तेज होती जा रही है। दोनों तरफ से मतगणना को लेकर अपने-अपने स्तर से तैयारियां प्रारंभ कर दी गई है कि-किसी को मतगणना स्थल पर मौजूद रहना है उसकी सूची भी तैयार हो रही है पास भी बनवाया जा रहा है। मतगणना के दौरान किस तरह की सावधानी बरतनी है उसको लेकर भी चर्चाएं लगातार हो रही है। वहीं देखने वाली बात होगी इस बार चुनाव में मतदाताओं ने किसके पक्ष में अपना वोट देकर उसको विधानसभा भेजने का रास्ता पक्का किया है। अभी तो सभी प्रत्याशी किस्मत ईवीएम मशीन में कैद है 3 दिसंबर को जादुई दिन भर आएगा तब ही इसका पता चल पाएगा।

मेट्रो एंकर | मतगणना के मापदंडो से अवगत हुए प्रत्याशी व गणना अभिकर्ता

विधानसभा क्षेत्रों के रिटर्निंग आफीसर, सहायक रिटर्निंग आफीसर के अलावा मास्टर टेऊनर्सो ने किया प्रशिक्षित

विदिशा, दोपहर मेट्रो।

विधानसभा निर्वाचन 2023 के मतदान उपरांत मतो की गणना कार्य रविवार तीन दिसम्बर को शासकीय आदर्श महाविद्यालय जाफरखेडी में प्रातः आठ बजे से शुरू होगा।

कलेक्टर उमाशंकर भार्गव ने निर्वाचन आयोग के द्वारा जारी दिशा निर्देशो के अनुपालन में अभ्यर्थी और उनके द्वारा नियुक्त किए जाने वाले गणना ऐजेन्टों के लिए पृथक से प्रशिक्षण आयोजित कर उन सबको निर्वाचन आयोग के गणना संबंधी दिशा निर्देशो से बखूबी अवगत कराने हेतु जिले की पांचो विधानसभा में एक साथ 28 नवम्बर को एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित करने के निर्देश प्रसारित किए गए थे के परिपालन में पांचो विधानसभाओं के रिटर्निंग आफीसरो द्वारा आज दोपहर 12 बजे से स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया था। निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार विदिशा विधानसभा क्षेत्र के अभ्यर्थी व गणना अभिकर्ताओं के लिए विदिशा एसडीएम कार्यालय के सभागार में प्रशिक्षण आयोजित किया गया था इसी प्रकार विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 145 बासौदा के अभ्यर्थियों व गणना अभिकर्ताओं के लिए बासौदा के पटवारी सभागार कक्ष में, विधानसभा क्षेत्र 146 कुरवाई (अजा) के अभ्यर्थियों व गणना अभिकर्ताओं के लिए आजीविका भवन कुरवाई में, विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 147 सिरोंज के अभ्यर्थियों व गणना अभिकर्ताओं के लिए पॉलिटेक्निक सेमीनार सिरोंज में तथा विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 148 शमशाबाद के अभ्यर्थियों व उनके द्वारा नियुक्त होने वाले गणना अभिकर्ताओं के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण नटेरन जनपद पंचायत के सभागार कक्ष में आयोजित किया गया था। पांचो विधानसभाओं में आज सम्पन्न हुए प्रशिक्षण को संबंधित विधानसभा क्षेत्र के रिटर्निंग आफीसर, सहायक रिटर्निंग आफीसर के अलावा मास्टर टेऊनर्सो के द्वारा प्रशिक्षित किया गया है। इस दौरान मतगणना से संबंधित अनेक जिज्ञासाओं का समाधान भी पूर्व उल्लेखितों के द्वारा किया गया है।

सीएसके ने 16.25 करोड़ रुपए में खरीदा था

फिटनेस मैनेजमेंट के कारण बेन स्टोक्स आईपीएल नहीं खेलेंगे

मुंबई, एजेंसी

इंग्लैंड के ऑलराउंडर बेन स्टोक्स वर्कलोड और फिटनेस मैनेजमेंट के कारण इंडियन प्रीमियर लीग 2024 में नजर नहीं आएंगे। उनकी फ्रेंचाइजी चेन्नई सुपर किंग्स ने गुरुवार को घोषणा की। 2023 में चेन्नई ने उन्हें 16.25 करोड़ रुपए में खरीदा था। स्टोक्स ने सीएसके से केवल 2 ही मैच खेले थे। उन्होंने एक बयान में कहा, इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान, ऑलराउंडर बेन स्टोक्स ने अपने वर्कलोड और फिटनेस मैनेजमेंट के कारण आईपीएल 2024 में शामिल नहीं होंगे। मैनेजमेंट आईपीएल से पहले भारत में 5 टेस्ट मैचों की सीरीज और फिर जून 2024 में टी-20 वर्ल्ड कप खेलने के साथ इंग्लैंड के साथ अपने वर्कलोड को मैनेज करने के बेन के फैसले में बेन का समर्थन करता है। 25 जनवरी से 11 मार्च 2024 तक भारत और इंग्लैंड के बीच भारत में ही 5 टेस्ट मैचों की सीरीज खेली जाएगी। स्टोक्स को चेन्नई सुपर किंग्स ने आईपीएल 2023 की नीलामी में 16.25 करोड़ की भारी भरकम कीमत में खरीदा था। वे टीम की अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतर पाए और केवल 2 ही मैच खेले। स्टोक्स ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 7 और लखनऊ के खिलाफ 8 रन बनाए थे। स्टोक्स ने लखनऊ के खिलाफ गेंदबाजी करते हुए एक ओवर में 18 रन खर्च कर दिए थे। चोटिल होने के कारण बीच सीजन में ही वे अपने वतन लौट गए थे। स्टोक्स ने वनडे क्रिकेट से संन्यास ले लिया था लेकिन वर्ल्ड कप खेलने के लिए इस बार उन्होंने फिर टीम में वापसी की। गत चैंपियन इंग्लैंड को वर्ल्ड कप में निराशाजनक अभियान का सामना करना पड़ा और वह 10 टीमों की अंक तालिका में सातवें स्थान पर रहा। 32 साल के स्टोक्स लीग स्टेज के पहले तीन मैच चोट के कारण नहीं खेल सके। लेकिन अंत में एक शतक और दो हाफ सेंचुरी के साथ अच्छा प्रदर्शन किया।

पहले टेस्ट के पहले दिन बांग्लादेश ने नौ विकट खोकर बनाए 310 रन

महमूदुल हसन का अर्धशतक, न्यूजीलैंड के ग्लेन फिलिप्स ने झटके चार विकेट

सिलहट, एजेंसी

बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के बीच दो टेस्ट की सीरीज का पहला मुकाबला सिलहट में खेला जा रहा है। पहले दिन बांग्लादेश ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला किया और स्टंप्स तक 9 विकेट के नुकसान पर 310 रन बनाए। महमूदुल हसन ने अर्धशतक लगाया और न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर ग्लेन फिलिप्स को 4 सफलताएं मिली। पहले बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने 39 रन के टीम स्कोर पर ओपनर जाकिर हसन का विकेट गंवाया। उन्हें अयाज पटेल ने बोल्ड कर दिया। महमूदुल हसन जॉय ने नजमुल हसन शान्तो के साथ पारी को आगे बढ़ाया, लेकिन 100 का आंकड़ा पार होते ही नजमुल हसन 37 रन बनाकर आउट हो गए। उन्हें ग्लेन फिलिप्स ने केन विलियमसन के हाथों कैच कराया। लंच तक बांग्लादेश का स्कोर 104/2 रहा।

टाईब्रेकर की जीत जोड़ने पर भारत पहले से आगे

डब्ल्यूटीसी में हर टीम को 2 साल के टाइम पीरियड में तीन सीरीज अपने घर में और तीन सीरीज घर से बाहर खेलनी होती हैं। सभी टीमों की निर्धारित सीरीज खत्म होने के बाद टेबल की टॉप-2 टीमें फाइनल में पहुंचती हैं। फिलहाल टेबल में दो मैचों में दो जीत के साथ पाकिस्तान टॉप पर है, वहीं भारत दूसरे नंबर पर है।

महमूदुल हसन की मोमिनुल के साथ अर्धशतकीय साझेदारी

102 रन पर दूसरा विकेट गंवाने के बाद महमूदुल हसन ने बांग्लादेशी पारी को आगे बढ़ाया। उन्होंने दूसरे सेशन में अपना अर्धशतक पूरा किया। फिर मोमिनुल के अर्धशतकीय साझेदारी की। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 88 रन जोड़े। हसन ने टेस्ट करियर का चौथा अर्धशतक जमाया।

दूसरा टेस्ट मीरपुर में, वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में जुडेंगे पॉइंट्स

बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के बीच सीरीज का दूसरा और आखिरी टेस्ट 6 दिसंबर से मीरपुर में खेला जाएगा। इस टेस्ट सीरीज के पॉइंट्स डब्ल्यूटीसी यानी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में जुड़ेंगे। इस साल जुलाई में एशेज सीरीज से वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 की साइकिल शुरू हो गई थी। बांग्लादेश और न्यूजीलैंड दोनों ही टीमों का इस साइकिल में यह पहला मुकाबला है।

फिलिप्स को 4 सफलताएं

न्यूजीलैंड की ओर से ग्लेन फिलिप्स ने 4 विकेट चटकाए। काइल जेमिसन और अजाज पटेल को 2-2 विकेट मिले। वहीं, ईश सोढ़ी को एक सफलता मिली।

एडहॉक कमेटी ने जारी किया चयन प्रक्रिया का शेड्यूल

ओलंपिक के लिए पहलवानों के पास दो मौके

सोनीपत, एजेंसी

भारतीय कुश्ती महासंघ की एडहॉक कमेटी ने पेरिस ओलंपिक के लिए नयी चयन नीति की घोषणा करते हुए दोहराया है कि पेरिस ओलंपिक में श्रेष्ठ पहलवानों को ही मौका देंगे। कमेटी ने कहा कि चयन में पारदर्शिता सुनिश्चित की जाएगी और 30 भार वर्गों में 27 से 29 फरवरी 2024 तक पहलवानों का पहला चयन होगा। अभी ओलंपिक क्वालीफाइंग के लिए दो मौके हैं, जिसमें एशियन ओलंपिक क्वालीफायर व विश्व ओलंपिक क्वालीफायर प्रतियोगिता में ओलंपिक का टिकट प्राप्त कर सकते हैं। हालांकि, ओलंपिक के लिए फाइनल ट्रायल 31 मई 2024 और एक जून को लिया जाएगा।

भारतीय कुश्ती महासंघ की एडहॉक कमेटी ने पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए चयन नीति की घोषणा की है। एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर और इसके बाद विश्व ओलंपिक क्वालीफायर में पहलवानों को भाग लेना होगा। कमेटी ने स्पष्ट किया कि ओलंपिक कोटा खिलाड़ी को नहीं, देश को दिया जाता है। कुल 17 कोटा उपलब्ध होंगे। फरवरी 2024 में 30 भार वर्ग श्रेणियों के लिए परीक्षण निर्धारित है। ओलंपिक टिकट हासिल करने के लिए पहलवानों के पास दो मौके हैं। इनमें से एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर प्रतियोगिता का आयोजन 19 से 21 अप्रैल, 2024 तक किर्गिस्तान में होगा। वहीं विश्व ओलंपिक क्वालीफायर प्रतियोगिता का आयोजन 9 से 12 मई, 2024 तक तुर्की में होगा। 2022 एशियाई खेल, 2023 सीनियर विश्व चैंपियनशिप और अन्य अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के पदक विजेताओं को इसमें शामिल किया गया है। इसके साथ ही वर्ष 2023 में हुई ओपन ट्रायल में अंडर-17, अंडर-20 व अंडर-23 आयु वर्ग के पहलवान भी भाग ले सकते हैं। वर्ष 2023 की सभी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के पदक विजेता भी ट्रायल दे सकेंगे।

बीबीपुर जाटान में कबड्डी महाकुंभ का आयोजन

फाइनल में हरियाणा ने पंजाब को हराया

गुंजन कैहरबा, एजेंसी

उपमंडल के गांव बीबीपुर जाटान में स्वर्गीय ईशम सिंह यादगारी कबड्डी महाकुंभ का आयोजन किया गया। रातभर चलने वाले टूर्नामेंट से हरियाणा और पंजाब की कुल 35 टीमें हिस्सा ले रही हैं। लड़कियों के फाइनल में हरियाणा और पंजाब का जोरदार मुकाबला हुआ। मुकाबले में हरियाणा की टीम ने जीत दर्ज की। फाइनल में सुमित को बेस्ट रेडर और रीतू को बेस्ट कैचर घोषित किया गया। गुलाब सिंह कोच और रामपाल चहल, भूपेन्द्र चहल, प्रवीन चहल, प्रवीन सैनी, तेजराम, राजेश चहल, समय सिंह चहल, चन्द्रभान, शिव कुमार सहित गणमान्य खिलाड़ियों की आयोजन टीम के द्वारा विशाल कबड्डी महाकुंभ में भाकियू प्रदेशाध्यक्ष गुरनाम सिंह चढूनी ने मुख्य अतिथि के रूप में हिस्सा लिया।सरपंच प्रतिनिधि शमशेर सिंह, जिला परिषद रामफल कमालपुर, सचिन बुढ़नपुर, पूर्व सरपंच श्याम सिंह, भाकियू खंड प्रधान मंजीत लाल्लर, सुरेन्द्र कलसौरा, मोहर सिंह, निर्मल सिंह, मुनीष सहित कई अतिथियों का आगमन हुआ।

गुरनाम सिंह चढूनी ने कहा कि खेलों को बढ़ावा देने के लिए बीबीपुर जाटान गांव के लोगों व खिलाड़ियों का यह सराहनीय प्रयास है। उन्होंने कहा कि खेल ही वह माध्यम है, जिससे युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में मोड़ा जा सकता है। शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य का मूलमंत्र खेल हैं। खेल भाईचारे, विविधिता में एकता और सद्भाव का संदेश देते हैं। गांव-गांव में खेलों की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए सरकारी स्तर पर बहुत कुछ किया जाना चाहिए। उन्होंने आयोजकों द्वारा किसान नेताओं को बुलाए जाने के लिए आभार जताया। जिला पार्षद सचिन बुढ़नपुर व रामफल कमालपुर ने कहा कि यह ग्रामीणों की अच्छी सोच को दर्शाता है, जो उन्होंने कबड्डी महाकुंभ का आयोजन किया है। आयोजन टीम के सदस्य भूपेन्द्र चहल ने बताया कि कबड्डी महाकुंभ की विजेता टीम के लिए बाइक सहित कई आकर्षक पुरस्कार रखे गए हैं।

छह आईपीओ की अगले हफ्ते हो सकती है लिस्टिंग

मेट्रो बाजार

मुंबई, एजेंसी

टाटा टेक्नोलॉजीज समेत 6 आईपीओ की अगले हफ्ते लिस्टिंग होगी। ये कंपनियां 7,398 करोड़ रुपए जुटाने के लिए पिछले हफ्ते आईपीओलेकर आई थी, लेकिन इनके लिए 2.6 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की बोलियां मिलीं। ये इंडियन आईपीओमार्केट हिस्ट्री का सबसे बड़ा वीकली कलेक्शन है। मेन लाइन में टाटा टेक के अलावा इंडियन रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी, फ्लेयर राइटिंग, गांधार ऑयल रिफाइनरी और फेडबैंक फाइनेंशियल के आईपीओ खुले थे। एक आईपीओरॉकिंग डील्स सर्कुलर इकोनॉमी स्मॉल मीडियम एंटरप्राइजेज कैटेगरी का था। वहीं टाटा टेक ने 73.58 लाख एप्लीकेशन का रिकॉर्ड भी बनाया। मेन लाइन आईपीओवो कंपनियां ला सकती हैं जिनकी फिजिकल एसेट वैल्यू 3 करोड़ या उससे ज्यादा है। वहीं स्स्थ आईपीओके लिए ये वैल्यू 1.5 करोड़ या उससे ज्यादा तय की गई है। मेन लाइन आईपीओ का एप्लीकेशन साइज भी मिनिमम 15 हजार रुपए होता है। 22 नवंबर को खुला 3042 करोड़ रुपए का टाटा टेक का आईपीओ सबसे ज्यादा 69.43 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओके लिए 1.56 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की बोलियां मिली। टाटा टेक, ऑटोमोबाइल दिग्गज टाटा मोटर्स की सब्सिडियरी है। टाटा ग्रुप करीब 19 साल बाद कोई आईपीओ लेकर आया है।

आईपीओ का प्राइस बैंड 475 से 500 तय किया था। यानी लिस्टिंग डे पर इसमें 80 फीसदी की कमाई हो सकती है। 1994 में स्थापित, टाटा टेक ग्लोबल इंजीनियरिंग सर्विसेज कंपनी है। ये ओरिजिनल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर्स और उनके टियरसप्लायर्स को टर्नकी सॉल्यूशन सहित प्रोडक्ट डेवलपमेंट और डिजिटल सॉल्यूशन देती है।

न्यू जनरेशन हिमालयन 2.69 लाख में लॉन्च

नईदिल्ली, एजेंसी

फ्रांसीसी कार मेकर कंपनी रेनो अपनी पॉपुलर मिड साइज एसयूवी डस्टर को ग्लोबल मार्केट में अनवील करने वाली है। न्यू जनरेशन डस्टर को पुर्तगाल में होने वाले जेनेवा ऑटोशो में ऑफिशियली पेश किया जाएगा। इसका लाइव इवेंट कल दोपहर 2 बजे से शुरू होगा। इससे पहले मंगलवार को कार के एक्सटीरियर डिजाइन की डिटेल्स लीक हो गई थीं। इंटरनेशनल मार्केट में डेसिया डस्टर नाम से बेची जाने वाली मिड साइज एसयूवी भारत में 2024 में लॉन्च की जाएगी। रेनो ने भारत में केवल फर्स्ट जनरेशन डस्टर को 2012 में उतारा था और 2022 की शुरुआत में इसे बंद कर दिया गया था। यह भारत में कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में कंपनी का पहला मॉडल था। लीक हुई तस्वीरों में कार का डिजाइन साफ नजर आ रहा है। स्टाइलिंग के मामले में न्यू जनरेशन रेनो डस्टर डेसिया के बिगस्टर कॉनसेप्ट मॉडल की तरह दिखती है। नई डस्टर फर्स्ट जनरेशन भारतीय मॉडल से बड़ी होगी, जिसे कंपनी ने डिसकंटीन्यू कर चुकी है। कार में नए डिजाइन का फ्रंट फेसिया मिलेगा। साथ ही गाड़ी में वाय शेप की हेडलाइट्स, वर्टिकल एयर इन्लेट्स के साथ नए डिजाइन के फ्रंट बंपर और स्किड्स प्लेट्स मिलने की उम्मीद है। इसके अलावा गाड़ी में नए डिजाइन का बोनट, चौकोर व्हील आर्च, शेप की टेललाइट्स मिल सकती हैं। कंपनी नई रेनो डस्टर को 2 प्लेटफार्म CMF-B और बीओ प्लेटफॉर्म के साथ पेश करेगी।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

गणेश ने 'लुट पुट गया' गाने का मतलब बताया

शाहरुख खान स्टारर फिल्म 'डंकी' इन दिनों सबसे ज्यादा चर्चित फिल्मों में एक है। हाल ही में फिल्म का गाना 'लुट पुट गया' रिलीज किया गया था। जिसमें शाहरुख खान भरपूर एनर्जी से डांस करते हुए दिखाई दिए। इसी के चलते बॉलीवुड के फेमस कोरियोग्राफर गणेश आचार्य ने शाहरुख के साथ काम करने का एक्सपीरियंस शेयर किया है। उन्होंने कहा कि अगर आप किसी काम को लेकर शाहरुख से सौ प्रतिशत की उम्मीद करते हैं तो वो उसमें अपना हजार प्रतिशत देते हैं। उन्होंने कहा- शाहरुख चिलचिलाती गर्मी में शूटिंग करते थे। उन्होंने लुट पुट गया गाने को पूरी मेहनत और लगन से शूट किया। इनकी मेहनत गाने में दिखाई दे रही है। इस गाने की कोरियोग्राफी गणेश आचार्य ने ही किया है। फिल्म 22 दिसंबर को रिलीज होगी। इस गाने की कोरियोग्राफी गणेश आचार्य ने किया है। उन्होंने बताया कि इस गाने में बताया है कि शाहरुख और उनके दोस्तों को यूके का वीजा पाने के लिए क्या करना होगा।

यह होगी फिल्म की कहानी

ये पांच ऐसे दोस्तों की कहानी है, जो पंजाब के गांव से निकल कर लंदन जाना चाहते हैं। मगर वो लीगल तरीके से लंदन नहीं जा पाते। ऐसे में वो लोग 'डॉन्की फ्लाइट' नाम का तरीका अपनाते है, जोकि लीगल नहीं है। कुछ लोग मिलकर गैर कानूनी तरीके से लोगों को विदेश पहुंचाते हैं। पंजाबी एक्सेंट में लोग 'डॉन्की' को 'डंकी' बुलाते हैं। इसलिए फिल्म का नाम डंकी रखा गया है।

फिल्म 'कल हो ना हो' के 20 साल पूरे

फिल्म 'कल हो ना हो' के 20 साल पूरे होने पर फिल्ममेकर करण जौहर ने सोशल मीडिया पर एक इमोशनल नोट शेयर किया है। इस पोस्ट में उन्होंने अपने पिता यश जौहर को याद किया। साथ ही फिल्म की पूरी टीम और उनके हार्ड वर्क की जमकर तारीफ की। करण ने लिखा, 'यह सभी के लिए एक इमोशनल जर्नी रही है' यह फिल्म मेरे लिए ही नहीं, हम सभी के लिए एक इमोशनल जर्नी रही है। किसी दिल की तरह धड़कती हुई इस स्टोरी पर इतनी जबरदस्त स्टारकास्ट को साथ लेकर आना आसान नहीं था पर मैं फिल्म से जुड़ी पूरी टीम की तारीफ करूंगा। सभी ने इतना अच्छा काम किया कि 'कल हो ना हो' आज तक लोगों के दिलों में धड़क रही है। वहीं अपने पिता की आखिरी फिल्म से जुड़ी यादें ताजा करते हुए करण ने लिखा, 'मेरे लिए यह आखिरी फिल्म थी जिस पर मैंने पापा के साथ काम किया था।

डीपफेक के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए: रश्मिका

रश्मिका मंदाना ने हाल ही में अपना डीपफेक वीडियो वायरल होने पर रिएक्शन दिया है। रश्मिका हैदराबाद में हुए अपकमिंग फिल्म एनिमल के प्रमोशनल इवेंट में पहुंची थीं। इस दौरान उन्होंने डीपफेक पर बात करते हुए लड़कियों को इसके लिए सचेत किया है। उनका मानना है कि इस तरह के मामले होना आम बात नहीं है और हर किसी को इसके खिलाफ आवाज उठानी चाहिए। रश्मिका मंदाना फिल्म एनिमल को-स्टार्स रणबीर कपूर, बॉबी देओल और अनिल कपूर समेत पूरी टीम के साथ हैदराबाद में फिल्म प्रमोट करने पहुंची थीं। हैदराबाद में हुए इवेंट के दौरान रश्मिका से उनके डीपफेक वीडियो पर सवाल किए गए थे। इस पर उन्होंने कहा, साउथ इंडस्ट्री से लेकर नॉर्थ इंडस्ट्री तक कई लोग मेरे सपोर्ट में सामने आए। इससे मुझे एहसास हुआ कि इसे (डीपफेक वीडियो वायरल होने को) सामान्य रूप से लेने की जरुरत नहीं है। लोगों के सपोर्ट से मुझे बहुत सुरक्षित और सिक्योर महसूस हो रहा है। तो मैं हर एक लड़की से ये कहना चाहती हूं कि ये नॉर्मल नहीं है। जब कुछ आपको बहुत इफेक्ट करता है तो आपको चुप रहने की जरुरत नहीं है। जब आप अपने लिए खड़े होते हैं तो लोग भी आपको सपोर्ट करते हैं। जहां हम रहते हैं वो एक बेहतरीन देश है। रश्मिका ने ट्रोलिंग पर कहा कि मुझे लगता है कि मुझे बहुत सपोर्ट मिला। मेरा मानना है कि किसी भी एक्टर, क्रिकेटर या पब्लिक पर्सनालिटी पर निर्भर करता है कि वो ट्रोलिंग और मीम कौ कैसे हैंडल करता है।

वीडियो वायरल होने पर रश्मिका ने जाहिर की थी नाराजगी

नवंबर की शुरुआत में रश्मिका का एक डीपफेक वीडियो वायरल हुआ था। वीडियो में रश्मिका के चेहरे को एआई टूल के जरिए मॉर्फिंग कर इन्फ्लूएंसर जारा पटेल की बॉडी में लगाया गया था। वीडियो इतनी सफाई से डीपफेक बनाया गया था कि देखने में हर कोई धोखा खा गया। वीडियो वायरल होने के बाद रश्मिका ने नाराजगी जाहिर करते हुए लिखा था- मेरा एक डीपफेक वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो रहा है, जिसके बारे में बात करते हुए मुझे बेहद दुख हो रहा है। ईमानदारी से कहूं तो ये सिर्फ मेरे लिए ही नहीं, बल्कि हममें से हर एक के लिए बेहद डरावना है, जो इस टेक्नोलॉजी के मिस यूज की वजह से खतरे में आ गए हैं इसलिए सभी को इसके लिए सजग रहना चाहिए।

ईवीएम मशीनों की सुरक्षा

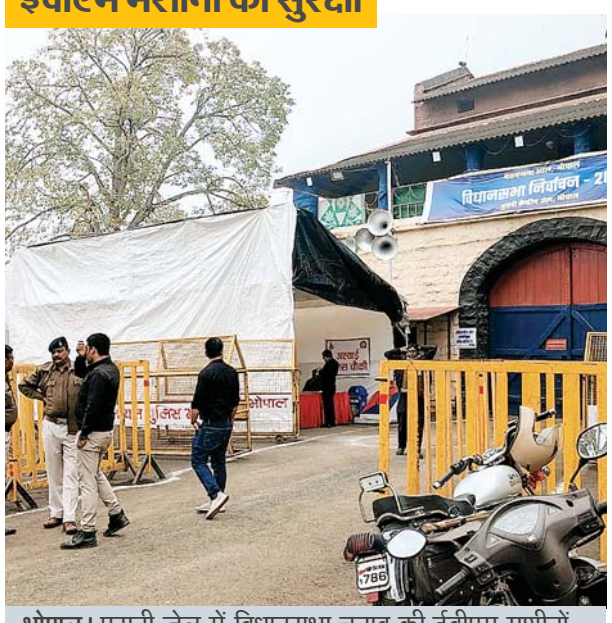

भोपाल। पुरानी जेल में विधानसभा चुनाव की ईवीएम मशीनों की कड़ी सुरक्षा करते पुलिस के जवान।

भोपाल के व्यवसायी को गुजरात की फर्म ने लगाई 1.13 करोड़ की चपत

तीन डायरेक्टर्स के खिलाफ अमानत में खयानत का मामला दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो

वेस्ट पेपर सप्लाई करने वाले भोपाल के एक व्यवसायी को गुजरात की फर्म ने 1.13 करोड़ रुपये की चपत लगा दी। हनुमानगंज पुलिस ने व्यवसायी की रिपोर्ट पर फर्म के तीन डायरेक्टर्स के खिलाफ अमानत में खयानत का मामला दर्ज किया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की एक टीम जल्द ही गुजरात भेजी जाएगी।

हनुमानगंज पुलिस के मुताबिक अंकित गुप्ता (40) शांति नगर हनुमानगंज में रहते हैं और जय माता दी ट्रेडर्स के नाम से कंपनी चलाते हैं। उनकी कंपनी वेस्ट पेपर सप्लाई का काम करती है। अप्रैल 2019 से अप्रैल 2021 के बीच उन्होंने गुजरात की एक फर्म को 4.81 करोड़ रुपये के माल की सप्लाई की थी। माल लेने के बाद गुजरात की फर्म ने अंकित की कंपनी को 3. 67 करोड़ रुपये का भुगतान कर दिया था, जबकि 1.13 करोड़ रुपये का भुगतान बाकी थी। बाकी की रकम के भुगतान के लिए फर्म की तरफ से करीब 11 चैक अंकित की कंपनी के नाम पर जारी किए गए थे, लेकिन अंकित ने बज उक्त चैक बैंक में जमा करवाए तो अकाउंट बंद होने की जानकारी के साथ वापस कर दिए गए। व्यवसायी ने जब फर्म के डायरेक्टर्स से संपर्क किया तो उन्होंने बताया कि आर्थिक संकट के कारण पेमेंट में कुछ देरी हो रही है, लेकिन जल्द ही उनका भुगतान कर दिया जाएगा। कुछ समय बाद दोबारा संपर्क करने पर डायरेक्टर्स ने जानकारी दी कि वह अपनी फर्म को बेच कर उनका भुगतान करने वाले हैं। इसके साथ ही उन्होंने फर्म के विक्रय संबंधी अनुबंध को बताया।

परेशान व्यवसायी ने खुद गुजरात जाकर की पड़ताल

काफी प्रयास करने के बाद जब रुपयों का भुगतान नहीं हुआ तो अंकित गुजरात पहुंचे। वहां पता चला कि फर्म बंद हो चुकी है और उसके डायरेक्टर्स गायब हो गए हैं। इसकी शिकायत उन्होंने पुलिस से की, जिसके आधार पर पुलिस ने फर्म के डारेक्टर बच्चू भाई भूरा भाई अगोला, हर्ष बच्चू भाई अगोला एवं रमा बहन बच्चू भाई अगोला के खिलाफ अमानत में खयानत का मामला दर्ज कर लिया।

संदिग्ध हालत में आग से झुलसा बुजुर्ग

छोटे भाई और भतीजे समेत तीन पर केस दर्ज

बिलखिरिया में हत्या का प्रयास

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बिलखिरिया इलाके में सोमवार शाम को एक बुजुर्ग व्यक्ति संदिग्ध हालत में आज से झुलस गया। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बुजुर्ग के बयानों के आधार पर पुलिस ने उसके छोटे भाई, भतीजे और बहू के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक हरिकिशन अहिरवार (60) कोलार रोड पर रहता है और प्रायवेट काम करता है। उसका छोटा भाई मोहनदास अहिरवार कोकता नंबर एक, मरघट के पास बिलखिरिया में रहता है और मजदूरी करता है। दोनों भाइयों के बीच पैसों को लेकर पुराना विवाद चल रहा है। सोमवार की शाम करीब सात बजे हरिकिशन छोटे भाई के पास पहुंचा था, तभी वह संदिग्ध रूप से आग से झुलस गया। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। तहसीलदार को दिये मृत्युपूर्व बयान में हरिकिशन ने छोटे भाई मोहनदास, बहू शीलाबाई और भतीजे आजाद पर पेट्रोल डालकर आग लगाने की बात कही, जिसके आधार पर पुलिस ने तीनों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि गिरफ्त में आने के बाद आरोपियों का कहना था कि वह उन्हें घटना को अंजाम नहीं दिया है।

बाथरूम में बेसुध होकर गिरे युवक की मौत

भोपाल। कटारा हिल्स थाना क्षेत्र स्थित बर्राई गांव में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। बाथरूम में बेसुध होकर गिरने पर परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे थे, वहां डॉक्टर ने प्राथमिक जांच में ही उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस का अनुमान है कि हार्ट अटैक होने से उसकी मौत हुईहै। पुलिस पीएम रिपोर्ट मिलने का इंतजार कर रही है।

थाना प्रभारी नरेंद्र सिंह ठाकुर ने बताया कि खिलान सिंह मेहरा पिता लक्ष्मी नारायण मेहरा (36) गांव बर्राई में रहता था और मजदूरी करता था। मंगलवार सुबह वह घर में था और बाथरूम के पास एकाएक बेसुध होकर गिर गया। परिजन उसे लेकर एम्स पहुंचे, वहां डॉक्टर ने प्राथमिक जांच में ही उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। अनुमान है कि खिलान सिंह की मौत हार्ट अटैक से हुई है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

लांबाखेड़ा बायपास पर रात को हादसा

भोपाल। ईंटखेड़ी थाना क्षेत्र स्थित लांबाखेड़ा बायपास पर कल रात अज्ञात वाहन ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी। युवक को निजी अस्पताल ले जाया गया था, वहां कुछ देर चले इलाज के बाद युवक की मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए भेज दिया है। पुलिस टक्कर मारने वाले वाहन की तलाश कर रही है।प्रधान आरक्षक सतीश ने बताया कि रामदास पिता मोहकाम सिंह (34) हर्राखेड़ा में रहता था। वह पेशे से किसान था और प्राइवेट काम भी करता था। कल रात घर लौटते समय लांबाखेड़ा बायपास पर उसकी बाइक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे के बाद उसे निजी अस्पताल ले जाया गया, वहां इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि सूचना देरी से मिलने के कारण यह तय नहीं हो सका है कि उसे किसी ने टक्कर मारी है या फिर वह खुद बाइक से गिरा है। पुलिस आज घटनास्थल पर दौबारा पहुंचेगी और लोगों से पूछताछ करेगी। इसके अलावा घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे भी देखे जाएंगे।

संतान नहीं होने से दुखी दंपति ने एक साथ खाया जहर, पत्नी के बाद पति की भी मौत

इलाज के लिए जयप्रकाश अस्पताल पहुंचाया

भोपाल, दोपहर मेट्रो

पिपलानी थाना क्षेत्र चांदबाड़ी में एक साथ जहरीला पदार्थ खाने वाले दंपती की मौत हो गई। कल मंगलवार सुबह पत्नी की मौत हुई थी, जबकि देर रात पति ने भी इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस दोनों के शव आज पीएम के बाद परिजन को सौंपेगी।

पुलिस के अनुसार राहुल अहिरवार (27) चांदबाड़ी झुग्गीबस्ती पिपलानी में रहता था और प्रायवेट काम करता था। करीब तीन साल पहले उसकी शादी सीमा अहिरवार (25) के साथ हुई थी, लेकिन दोनों को फिलहाल कोई संतान नहीं थी। सोमवार सुबह राहुल और उसकी पत्नी घर पर थे, जबकि पिता रामचरण अहिरवार किसी काम से बाहर गए थे। दोपहर के समय रामचरण घर लौटे तो बेटा और बहू उल्टियां करते हुए मिले। पूछने पर दोनों ने बताया कि उन्होंने जहरीला पदार्थ खा लिया है। परिजन और रिश्तेदारों ने उन्हें इलाज के लिए जयप्रकाश अस्पताल पहुंचाया, जहां से हमीदिया अस्पताल के लिए रैफर कर दिया गया। घटना की सूचना मिलने के बाद अस्पताल पहुंची पुलिस ने मृत्युपूर्व कथन लिए, जिसमें उन्होंने पारिवारिक कारण और संतान नहीं होने से दुखी होना बताया। मंगलवार सुबह इलाज के दौरान पत्नी सीमा की मौत हो गई, जबकि इलाज के दौरान मंगलवार बुधवार की दरमियानी रात राहुल अहिरवार की भी मौत हो गई।

आठ साल की मासूम से युवक ने की अश्लील हरकत, गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

निशातपुरा थाना क्षेत्र स्थित एक कॉलोनी में आठ साल की मासूम से अश्लील हरकत किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने उक्त मामले में आरोपी के खिलाफ छेड़छाड़ और पाक्सो एक्ट की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। थाना प्रभारी रूपेश दुबे ने बताया कि आठ साल की बच्ची स्कूली छात्रा हैं। 27 नवंबर की रात वह घर में खेल रही थी, तभी ऊपर वाले फ्लोर पर रहने वाला श्याम कृष्णन उसे अपने कमरे में ले गया और उससे अश्लील हरकतें की। बाद में आरोपी ने बच्ची को धमकाते हुए छोड़ दिया। बच्ची ने घटना की जानकारी अपने परिजन को दी। परिजन उसे लेकर7थाने पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। शिकायत दर्ज करने के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। उसे कोर्ट में पेश कर दिया गया, वहां से जेल भेज दिया गया है।

इसी इलाके में रहने वाली 17 साल की नाबालिग ने एक युवक और उसके जीजा समेत दादी पर बंधक बनाकर, मारपीट करने और छेड़छाड़ करने के आरोप लगाए हैं। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि इलाके में रहने वाली 17 साल की नाबालिग 11 वहीं कक्षा में पढ़ती है। उनके पड़ोस में रहने वाला कार्तिक उसे अपने घर लेकर पहुंचा था। वहां उसने पीड़िता से छेड़छाड़ की। जबकि घर में मौजूद उसके जीजा समेत दादी ने मारपीट की है।

मेट्रो एंकर हमीदिया अस्पताल में युवती से दुष्कर्म के प्रयास का मामला

आयोग ने पुलिस कमिश्नर व अस्पताल अधीक्षक को दिए जांच के निर्देश, 15 दिन में रिपोर्ट तलब

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मप्र मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष मनोहर ममतानी ने प्रदेश के सात मामलों में संज्ञान लिया है। पहला मामला भोपाल जिले का है। जहां

हमीदिया अस्पताल में युवती से दुष्कर्म के प्रयास का मामला सामने आया है। मामले में आयोग ने पुलिस कमिश्नर एवं हमीदिया अस्पताल अधीक्षक को जांच के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही आयोग ने जांच कराकर की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन भी 15 दिन के भीतर मांगा है।

यह है पूरा मामला

आयोग से मिली जानकारी के अनुसार, हमीदिया अस्पताल में नौकरी करने वाली एक युवती के साथ अस्पताल के ही लिफ्ट ऑपरेटर ने अपने दो दोस्तों के साथ मिलकर दुष्कर्म करने का प्रयास किया। घटना बीते बुधवार रात की है, जब युवक के बुलाने पर युवती पार्क में मिलने गई तो आरोपी युवक और तीन अन्य दोस्तों के साथ मिलकर दुष्कर्म करने का प्रयास किया। युवती ने शोर मचाया तो आरोपीगण वहां से भाग निकले।

इन मामलों में भी जबाव तलब

आयोग ने दमोह जिले के तेंदूखेड़ा विकासखंड अतंर्गत शासकीय प्राथमिक शाला गंज तेजगढ़ में स्कूल भवन जर्जर होने के कारण बच्चों के सामुदायिक भवन में बैठने को मजबूर होने, रायसेन जिले शासकीय कन्या हाई सेकंडरी में अध्यनतरत छात्राओं के अतिरिक्त कक्ष ना होने के कारण परेशान होने और अलीवाड़ा गांव में सड़क पर गंदगी और दलदल होने के कारण छात्र-छात्राओं को स्कूल आने-जाने में परेशान होने के मामले में कलेक्टर व डीईओ को जांच के निर्देश दिए हैं। आयोग ने दमोह जिले के नोहटा की बीडी कॉलोनी में करंट लगने से एक किशोर की मौत, सागर जिले के बीना विकासखंड के देहरी गांव में पानी से भरे गड्ढे में नहाने गये तीन बच्चों की डूबने से मौत सहित अन्य मामलों में भी संज्ञान लेकर संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022